दैनिक
साकार भारत
रायपुर-आरएनआई रजि. CHHBIL/2023/88684
वर्ष : 3 अंक : 218 पृष्ठ : 8 मुल्यः 1:00 रायपुर, मंगलवार 25 अगस्त, 2026 www.sakarbharat.com

Vastu Guruji
वास्तु हेतु संपर्क करें...
मो.नं. 9074110000 9770888888

SHORT NEWS

राखी से पहले खाते में पहुंची महतारी वंदन की 30वीं किस्त

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से संचालित महतारी वंदन योजना प्रदेश की महिलाओं के लिए निरंतर आर्थिक संबल का माध्यम बन रही है। योजना के तहत पात्र महिलाओं को प्रतिमाह 1000 रुपये की सहायता राशि प्रदान की जा रही है, जिससे वे अपनी व्यक्तिगत और पारिवारिक जरूरतों को पूरा करने में सहयोग प्राप्त कर रही हैं। जांजगीर-चांपा जिले के बलौदा विकासखंड अंतर्गत ग्राम रसौटा की श्रीमती सुनीता अनंत के लिए भी महतारी वंदन योजना मुश्किल समय में भरोसे का सहारा बन गई है। योजना की 30वीं किस्त की राशि खाते में पहुंचने से सुनीता के चेहरे पर खुशी और संतोष नजर आया।

तमिलनाडु में बड़ा ऐलानः पात्र परिवारों को हर साल मिलेंगे 3 मुफ्त LPG सिलेंडर

चेन्नई। तमिलनाडु सरकार ने घरेलू खर्च का बोझ कम करने के लिए बड़ी योजना की घोषणा की है। 'अन्नपूर्णी सुपर सिक्स' योजना के तहत पात्र परिवारों को हर साल तीन मुफ्त एलपीजी सिलेंडर का लाभ दिया जाएगा। योजना से करीब 13 लाख परिवारों को फायदा मिलने की उम्मीद है और इसे आगामी पोंगल से लागू किया जाएगा। सरकार के मुताबिक इस योजना के संचालन पर हर साल करीब 4,000 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। विधानसभा में नियम 110 के तहत इस योजना की घोषणा की गई। योजना के तहत लाभार्थी मौजूदा वितरण व्यवस्था के जरिए एलपीजी सिलेंडर खरीदेंगे।

हजारों कांवड़िए पवित्र जल लेकर भगवान हटकेश्वरनाथ महादेव के जलाभिषेक के लिए हुए रवाना

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने भगवान शिव का रुद्राभिषेक कर प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की

रायपुर पवित्र श्रावण मास में राजधानी रायपुर आज भगवान भोलेनाथ की भक्ति में सराबोर नजर आई। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय गुढ़ियारी स्थित मारुति मंगलम परिसर में आयोजित भव्य कांवड़ यात्रा में शामिल हुए। मुख्यमंत्री श्री साय ने भगवान शिव का विधि-विधान से रुद्राभिषेक एवं पूजा-अर्चना कर छत्तीसगढ़ की सुख-समृद्धि, शांति, खुशहाली और प्रदेशवासियों के कल्याण की कामना की। उन्होंने कांवड़ यात्रा में शामिल शिवभक्तों का उत्साहवर्धन करते हुए सभी को पवित्र श्रावण मास की शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि सावन का महीना भगवान शिव की आराधना और भक्ति का विशेष अवसर है। इस पवित्र माह में कांवड़ यात्रा हमारी आस्था, भक्ति और समर्पण की अनुपम अभिव्यक्ति है। हजारों शिवभक्त पवित्र जल लेकर भगवान भोलेनाथ के अभिषेक के लिए पैदल निकलते हैं। कठिन यात्रा के बीच शिवभक्तों का उत्साह और श्रद्धा सनातन संस्कृति में निहित आस्था की शक्ति को प्रकट करती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गुढ़ियारी के मारुति मंगलम परिसर से हजारों कांवड़िए पवित्र जल लेकर महादेव घाट स्थित भगवान हटकेश्वरनाथ महादेव के जलाभिषेक के लिए रवाना हुए हैं। शिवभक्तों के जयघोष और भक्ति से पूरा वातावरण शिवमय हो उठा है। यह आयोजन केवल धार्मिक यात्रा ही नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति, परंपरा और सामाजिक एकता का उत्सव भी है।

मुख्यमंत्री साय ने भगवान हटकेश्वरनाथ महादेव मंदिर के ऐतिहासिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व का उल्लेख करते हुए कहा कि यह मंदिर छत्तीसगढ़ की प्राचीन शिव आराधना परंपरा का प्रमुख केंद्र है। महादेव घाट में विराजमान भगवान हटकेश्वरनाथ के प्रति प्रदेशवासियों की गहरी आस्था है। विशेष रूप से श्रावण मास में बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां पहुंचकर भगवान शिव का जलाभिषेक एवं पूजा-अर्चना करते हैं।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की पहचान जितनी इसकी प्राकृतिक सुंदरता और लोक-संस्कृति से है, उतनी ही इसकी गहरी आध्यात्मिक परंपराओं से भी है। प्रदेश के अलग-अलग अंचलों में स्थित प्राचीन शिवधाम और शक्तिपीठ हमारी समृद्ध धार्मिक-सांस्कृतिक विरासत के साक्षी हैं। यहां के पर्व, उत्सव और धार्मिक यात्राएं समाज को अपनी जड़ों और संस्कारों से जोड़े रखती हैं। उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रा जैसे धार्मिक आयोजन नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति, परंपराओं और आध्यात्मिक मूल्यों से परिचित कराने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। ऐसे आयोजनों में समाज के हर वर्ग के लोग एक साथ जुड़ते हैं। इससे आपसी सद्भाव, सामाजिक एकता और समरसता की भावना मजबूत होती है। सेवा, सहयोग और सामूहिकता की यही भावना छत्तीसगढ़ की संस्कृति की विशेषता है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि हमारी धार्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण और संवर्धन हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। राज्य सरकार प्रदेश के प्रमुख धार्मिक एवं आध्यात्मिक स्थलों के विकास और श्रद्धालुओं के लिए बेहतर सुविधाओं के विस्तार की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है।

भारत-भूटान संबंधों को नई रफ्तार, विकास सहयोग से रणनीतिक साझेदारी तक पहुंची दोस्ती

नई दिल्ली । भारत और भूटान के बीच दशकों पुरानी मित्रता अब पारंपरिक विकास सहयोग से आगे बढ़कर व्यापक और भविष्य-केंद्रित रणनीतिक साझेदारी का रूप ले रही है। दोनों देशों के बीच आर्थिक योजना, ऊर्जा, क्षेत्रीय संपर्क और डिजिटल-ज्ञान साझाकरण जैसे क्षेत्रों में सहयोग तेजी से मजबूत हुआ है।

भारत-भूटान संबंधों में आए इस बदलाव का आधार 1949 और 2007 की मैत्री संधियों की भावना है। अब भारत का विकास सहयोग केवल अलग-अलग परियोजनाओं तक सीमित न रहकर भूटान की दीर्घकालिक विकास योजनाओं से जुड़ रहा है।

भूटान की 13वीं पंचवर्षीय योजना के लिए 10 हजार करोड़ की सहायता

हाल ही में हुई 5वीं भारत-भूटान विकास सहयोग वार्ता में भूटान की 13वीं पंचवर्षीय योजना (2024-29) के लिए भारत द्वारा घोषित 10,000 करोड़ रुपये की सहायता की समीक्षा की गई।

इसमें से 6,860 करोड़ रुपये 82 उच्च प्राथमिकता वाली परियोजनाओं के लिए निर्धारित किए गए हैं। इन परियोजनाओं में स्वास्थ्य सेवाएं, शहरी बुनियादी ढांचा और आपदा-रोधी विकास जैसे क्षेत्र शामिल हैं। शेष राशि भूटान के आर्थिक प्रोत्साहन कार्यक्रम के लिए बजटीय सहायता के तौर पर दी जा रही है।

इस सहयोग मॉडल की खासियत यह है कि परियोजनाएं भूटान की अपनी राष्ट्रीय विकास प्राथमिकताओं के अनुरूप हैं। इससे स्थानीय स्वामित्व और योजनाओं की प्रभावशीलता बढ़ने की उम्मीद है।

'अडिग साझेदार और बड़ा भाई' है भारत

भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग तोबगे ने भारत की 80वीं स्वतंत्रता वर्षगांठ पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भेजे संदेश में भारत को 'अडिग साझेदार और बड़ा भाई' बताया।

वहीं प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत थिम्फू के साथ अपने विशेष संबंधों को अत्यंत महत्व देता है। उन्होंने भूटान की संप्रभुता, समृद्धि और ग्रॉस नेशनल हैप्पीनेस के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को भी दोहराया।

हाईकोर्ट बोला- थानों के CCTV हर समय चालू रहें:18 महीने का बैकअप जरूरी

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने प्रदेश के पुलिस थानों में लगे सीसीटीवी कैमरों की कार्यप्रणाली और रिकॉर्डिंग सुरक्षित रखने को लेकर सख्त निर्देश दिए हैं। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रविंद्र अग्रवाल की डिवीजन बैंच ने कहा कि थानों में केवल कैमरे लगाना पर्याप्त नहीं है।

सीसीटीवी हर समय चालू रहना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों के अनुसार कम से कम 18 महीने तक के फुटेज सुरक्षित रखना जरूरी है। हाईकोर्ट ने राज्य सरकार और पुलिस अधिकारियों को सीसीटीवी व्यवस्था की नियमित मॉनिटरिंग करने के साथ पर्याप्त स्टोरेज और पावर बैकअप सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

कोर्ट ने स्पष्ट किया कि किसी भी प्रशासनिक या तकनीकी लापरवाही के कारण इलेक्ट्रॉनिक सबूत नष्ट नहीं होना चाहिए। अगर ऐसा होता है तो संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय कर कार्रवाई की जाए।

जानिए क्या है पूरा मामला ?

दरअसल, जीपीएम के गौरेला थाने में दर्ज **NDPS** मामले के आरोपी बनवारी लाल गुप्ता समेत चार आरोपियों ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। आरोपियों का दावा था कि कथित घटना से एक दिन पहले ही पुलिस ने उन्हें थाने में बैठा लिया था।

नई सरकार के गठन के बाद 11 लाख से अधिक पीएम आवास पूर्ण

रायपुर। प्रदेश में गरीब और जरूरतमंद परिवारों को पक्की छत उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत आवास निर्माण का कार्य निरंतर गति से जारी है। उपमुख्यमंत्री एवं पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री विजय शर्मा ने आज प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि नई सरकार के गठन के बाद से अब तक 11 लाख से अधिक प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के मकान पूर्ण किए जा चुके हैं। राज्य सरकार गरीबों को आवास उपलब्ध कराने के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के संकल्प को पूरा करने के लिए प्रतिबद्धता के साथ लगातार कार्य कर रही है।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने बताया कि नई सरकार के गठन के बाद प्रथम कैबिनेट बैठक में ही प्रदेश के पात्र परिवारों के लिए 18 लाख से अधिक प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत करने एवं निर्माण का संकल्प लिया गया था। इसी संकल्प के अनुरूप राज्य सरकार द्वारा आवास निर्माण की प्रक्रिया को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाया गया है। पुराने एवं नए वित्तीय वर्षों के स्वीकृत आवासों को आवश्यक राशि उपलब्ध कराते हुए निर्माण कार्य पूर्ण कराया जा रहा है।

शर्मा ने बताया कि पिछले वित्तीय वर्ष में प्रदेश में 5 लाख 92 हजार से अधिक प्रधानमंत्री आवास पूर्ण किए गए। यह उपलब्धि पूरे देश में सर्वाधिक है। राज्य सरकार द्वारा आवास निर्माण की गति को बनाए रखते हुए पात्र हितग्राहियों को समय पर आवास उपलब्ध कराने के लिए लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है।

उपमुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश में वर्ष 2011 एवं 2018 की पात्रता सूची के अंतर्गत पात्र पाए गए सभी आवासों को स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। कुल स्वीकृत आवासों में से अब तक 20 लाख 40 हजार मकानों का निर्माण पूर्ण हो चुका है। वहीं, वर्तमान में लगभग 4 लाख आवासों का निर्माण कार्य प्रगतिरत है।

खेलों इंडिया तीरंदाजी सेंटर के खिलाड़ियों को उप मुख्यमंत्री एवं खेल मंत्री अरुण साव ने कीट वितरण कर बधाई दी

महासमुंद। उप मुख्यमंत्री एवं खेल एवं युवा कल्याण मंत्री छत्तीसगढ़ शासन अरुण साव के शनिवार को महासमुन्द प्रवास के दौरान कलेक्टर कार्यालय में अध्यक्ष जिला पैरा स्पोर्टस संघ महासमुंद निरंजन साहू एवं जिला पैरा स्पोर्टस खिलाडी लक्की यादव राजीव पाण्डे अवॉर्ड वर्ष 2025-26 राज्य खेल अलंकरण हेतु चयनित होने पर उप मुख्यमंत्री एवं खेल मंत्री श्री अरुण साव ने लक्की यादव को बधाई देते हुए सम्मानित किया। अध्यक्ष, जिला पैरा स्पोर्टस संघ द्वारा दिव्यांग पैरा खिलाड़ियों के खेल गतिविधियों में विकास लाने हेतु दिव्यांग एवं सामान्य खिलाडियों के खेल के प्रति राष्ट्रीय भाव उत्पन्न करने हेतु समावेशी खेल एकेडमी (आवासीय एवं गैर आवासीय) संचालन के संबध में मांग पत्र माननीय मंत्री जी को सौंपा गया, जिसमें खिलाडियों का निरंतर अभ्यास, पोषण, आहार व्यवस्था तथा तकनीकी प्रशिक्षण हेतु आवश्यक सुझाव रखा गया। इस अवसर पर मंत्री श्री साव के द्वारा प्रत्यक्ष रूप से मांग पत्र पूरी करने हेतु आश्वासन दिया गया। उप मुख्यमंत्री एवं खेल मंत्री श्री अरुण साव द्वारा खेल एवं युवा कल्याण महासमुंद द्वारा संचालित खेलों इंडिया तीरंदाजी सेंटर एकलव्य आवासीय विद्यालय भोरिंग के खिलाड़ियों से मुलाकात व परिचय प्राप्त कर खेल कीट का वितरण कर बधाई एवं आगामी भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर कलेक्टर विनय कुमार लंगेह, अपर कलेक्टर रवि साहू, खेल अधिकारी खेल एवं युवा कल्याण मनोज धृतलहरे, अन्य जिला अधिकारी, प्राचार्य एकलव्य भोरिंग महेंद्र टंडन, एन आई एस तीरंदाजी प्रशिक्षक एवन कुमार साहू, व्यायाम शिक्षक एकलव्य भोरिंग नीलम साहू एवं खेलों इंडिया तीरंदाजी सेंटर के खिलाड़ी उपस्थित रहे।

मनेंद्रगढ़ महाविद्यालय को प्रदेश के उत्कृष्ट संस्थानों में करेंगे विकसितः स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल

रायपुर । राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत सत्र 2026-27 में शासकीय विवेकानंद स्नातकोत्तर महाविद्यालय मनेंद्रगढ़ में नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं के लिए दीक्षारंभ कार्यक्रम का आयोजन उत्साहपूर्ण वातावरण में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम का शुभारंभ छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र पर दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। छात्राओं द्वारा राष्ट्रीय गीत की प्रस्तुति दी गई। महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. श्राबनी चक्रवर्ती ने अतिथियों एवं नवप्रवेशित विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए बताया कि **NEP**-2020 के अंतर्गत इस सत्र से महाविद्यालय में हिन्दी साहित्य, इतिहास एवं प्राणीशास्त्र जैसे तीन नए विषय प्रारंभ हुए हैं। पूर्व से संचालित चार विषयों को मिलाकर अब कुल सात विषयों में अध्ययन की सुविधा उपलब्ध है। उन्होंने इसे महाविद्यालय के शैक्षणिक विस्तार की महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया।

फर्जी ट्रांसफर आदेश मामले में कांग्रेस का भाजपा पर हमला, निष्पक्ष जांच की मांग

बलौदाबाजार । स्वास्थ्य विभाग में कथित फर्जी ट्रांसफर आदेश और पैसों के लेनदेन के आरोपों को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी ने भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुमित्रा धृतलहरे ने मामले की उच्चस्तरीय एवं निष्पक्ष जांच की मांग की है। धृतलहरे ने आरोप लगाया कि बलौदाबाजार भाजपा जिला उपाध्यक्ष पुनिराम पटेल और जिला महामंत्री कृष्णा अवस्थी पर स्वास्थ्य विभाग के एक कर्मचारी से कथित रूप से एक लाख रुपये लेकर सीएमएचओ के फर्जी हस्ताक्षर वाला ट्रांसफर आदेश जारी करने का आरोप सामने आया है। कर्मचारी जब नए पदस्थापना स्थल पर ज्वाइनिंग के लिए पहुंचा, तब उसे आदेश के कथित तौर पर फर्जी होने की जानकारी हुई। कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने कहा कि यदि सरकारी अधिकारी के फर्जी हस्ताक्षर से आदेश जारी करने और पैसों के लेनदेन के आरोप जांच में सही पाए जाते हैं, तो यह गंभीर मामला है और इससे शासन-प्रशासन की विश्वसनीयता प्रभावित होती है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार सुशासन का दावा करती है, लेकिन सरकारी योजनाओं और अब ट्रांसफर के नाम पर कथित वसूली के आरोप गंभीर सवाल खड़े कर रहे हैं। उन्होंने पूछा कि क्या सरकारी कर्मचारियों के स्थानांतरण भी पैसे देकर कराने का जरिया बन गए हैं। धृतलहरे ने मांग की कि पूरे मामले में कथित पैसों के लेनदेन, फर्जी दस्तावेज तैयार करने तथा इसमें शामिल अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच की जाए। उन्होंने कहा कि निष्पक्ष जांच से मामले के पीछे जुड़े अन्य लोगों और अधिकारियों की भूमिका सामने आ सकती है। कांग्रेस ने आरोप सही पाए जाने पर संबंधित लोगों के खिलाफ कड़ी आपराधिक कार्रवाई की मांग की है। धृतलहरे ने कहा कि सरकार को स्पष्ट करना चाहिए कि यदि पैसे देकर मनमुताबिक ट्रांसफर कराने का खेल चल रहा है, तो क्या यही उसका सुशासन मॉडल है।

बढ़ती यातायात समस्या को लेकर भाजयुमो ने चलाया हस्ताक्षर अभियान

जांजगीर-चांपा । अकलतरा नगर में बढ़ती यातायात समस्या एवं आमजन की सुविधा को ध्यान में रखते हुए भाजयुमो अकलतरा नगर मंडल द्वारा शास्त्री चौक में डिवाइडर निर्माण की मांग को लेकर हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। अभियान में बड़ी संख्या में आम नागरिकों ने सहभागिता कर मांग का समर्थन किया। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष गोपेश तुलस्यान जी ने कहा कि अकलतरा में लगातार बढ़ते यातायात को देखते हुए डिवाइडर की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही है। डिवाइडर बनने से यातायात व्यवस्था सुचारु होगी और आम नागरिकों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा कि जनहित से जुड़ी इस मांग को प्रशासन तक मजबूती से पहुंचाया जाएगा। भाजयुमो नगर मंडल अध्यक्ष आयुष शर्मा ने कहा कि रेलवे स्टेशन से शास्त्री चौक एवं शास्त्री चौक से अग्रसेन चौक तक डिवाइडर निर्माण होने से यातायात व्यवस्था बेहतर होगी तथा दुर्घटनाओं की संभावना कम होगी। उन्होंने कहा कि हस्ताक्षर अभियान के माध्यम से आम जनता की आवाज को प्रशासन तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। अभियान में महामंत्री गोवर्धन साहू, एल्डरमैन श्यामाचरण चौधरी, पार्षद पिंटू बरेठ, भाजयुमो जिला उपाध्यक्ष सुमित अग्रवाल, भाजयुमो महामंत्री संजू सिंह एवं आशीष कैवर्त, हरप्रकाश धीवार, छोटू कश्यप, संजीव राठौर, दीपक पटेल, वेदांत सिंह चौहान, फियांशु वैष्णव, शुभम जायसवाल, लोकेन्द्र तिवारी, प्रदीप भारद्वाज, शुभम श्रीवास, चंद्रेश निर्मलकर, विनोद साहू एवं छोटेलाल यादव सहित कार्यकर्ता एवं आम नागरिक उपस्थित रहे।

हिंदू सेना ने कलेक्टर और एसपी से की सौजन्य भेंट, नशा और धर्मांतरण पर की चर्चा

बालोद । हिंदू सेना के प्रदेश पदाधिकारी हेमंत वर्मा के आह्वान पर बालोद जिला अध्यक्ष नंदा पसीने के नेतृत्व में संगठन के पदाधिकारियों ने जिले की कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा एवं नव नियुक्त पुलिस अधीक्षक किरण गंगाराम चव्हाण से सौजन्य मुलाकात की।

इस दौरान संगठन की ओर से अधिकारियों को लकी बैम्बू का पौधा भेंट किया गया। यह पौधा सुख, समृद्धि, सकारात्मक ऊर्जा और सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है।

मुलाकात के दौरान प्रदेश कोषाध्यक्ष बोधन भट्ट ने जिले में शराब के अलावा अन्य नशीले पदार्थों पर रोक लगाने और धर्मांतरण जैसे मुद्दों पर विशेष चर्चा की। प्रदेश महामंत्री निलेश श्रीवास्तव ने संगठन के कार्यों और उद्देश्यों की संक्षिप्त जानकारी दी। कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा ने संगठन द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की।

इसके पश्चात संगठन के पदाधिकारियों ने नगर पुलिस अधीक्षक विकास पाटले एवं दल्ली राजहरा थाना प्रभारी सुनील तिर्की से भी मुलाकात की।

इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष बोधन भट्ट, प्रदेश महामंत्री निलेश श्रीवास्तव, जिला अध्यक्ष नंदा पसीने, संगठन संरक्षक आशा सिंह, जिला उपाध्यक्ष ममता पटेल, नगर उपाध्यक्ष मातृशक्ति ज्योति राजा भोज, साक्षी खटवानी, मातृशक्ति महामंत्री पुष्पा शांडिल्य, नगर अध्यक्ष शंकर साहू सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को जन्मदिन पर खुज्जी विधायक भोलाराम साहू ने दी बधाई

छुरिया । प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भूपेश बघेल के जन्मदिन के अवसर पर खुज्जी विधायक भोलाराम साहू ने भिलाई स्थित उनके निवास पहुंचकर पुष्पगुच्छ भेंट कर जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। विधायक साहू ने भूपेश बघेल के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु एवं सुखमय जीवन की कामना की। इस अवसर पर भूपेश बघेल ने विधायक भोलाराम साहू एवं उनके साथ पहुंचे साथियों का आत्मीय स्वागत किया और जन्मदिन की शुभकामनाओं के लिए आभार व्यक्त किया। दोनों नेताओं के बीच सौहार्दपूर्ण वातावरण में प्रदेश की वर्तमान परिस्थितियों, जनहित से जुड़े विभिन्न मुद्दों तथा आगामी योजनाओं को लेकर चर्चा भी हुई। विधायक भोलाराम साहू ने कहा कि भूपेश बघेल का नेतृत्व और मार्गदर्शन कांग्रेस कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणास्रोत है। उनके नेतृत्व में छत्तीसगढ़ ने विकास के विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने कहा कि जन्मदिन के इस विशेष अवसर पर ईश्वर से भूपेश बघेल के उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की कामना करते हैं। भूपेश बघेल के जन्मदिन को लेकर

कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों में उत्साह और खुशी का माहौल रहा। विधायक भोलाराम साहू सहित साथियों ने उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए प्रदेश की समृद्धि, विकास और जनता की खुशहाली की कामना की।

जन्माष्टमी से पहले राजनांदगांव में जन्मोत्सव की धूम, पूर्व सांसद मधुसूदन यादव को मिला जन-जन का स्नेह

राजनांदगांव। जन्माष्टमी पर्व से ठीक पहले राजनांदगांव शहर में ऐसा माहौल देखने को मिला मानो पूरा शहर किसी बड़े उत्सव में डूब गया हो। राजनांदगांव के पूर्व सांसद एवं पूर्व महापौर मधुसूदन यादव के जन्मदिन पर शहरभर में उत्साह, उल्लास और जनसैलाब देखने को मिला। सुबह से लेकर देर शाम तक उनके समर्थकों, शुभचिंतकों और नागरिकों ने जगह-जगह उनका आत्मीय स्वागत कर जन्मदिन को यादगार बना दिया।

जन्मोत्सव के दौरान शहर के हर वर्ग में विशेष उत्साह दिखाई दिया। बुजुर्गों ने उन्हें आशीर्वाद दिया, युवाओं ने जोश के साथ शुभकामनाएं दीं तो बच्चों ने भी अपने प्रिय जनप्रतिनिधि के साथ मुलाकात कर खुशी जाहिर की। पूरे दिन मधुसूदन यादव लोगों के बीच पहुंचकर उनका अभिवादन स्वीकार करते रहे और सभी का आभार व्यक्त किया। शहर के विभिन्न क्षेत्रों में समर्थकों द्वारा स्वागत, पुष्पवर्षा और शुभकामना कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। बड़ी संख्या में लोगों की उपस्थिति ने यह साबित कर दिया कि मधुसूदन यादव आज भी राजनांदगांव के जनमानस के बीच बेहद लोकप्रिय हैं। उनके प्रति लोगों का स्नेह और सम्मान हर आयोजन में साफ दिखाई दिया। जन्माष्टमी से पहले हुए इस जन्मोत्सव ने पूरे शहर में उत्सवी माहौल बना दिया। लोगों का कहना था कि जिस प्रकार जन्माष्टमी पर श्रद्धा और उत्साह का वातावरण रहता है, वैसा ही नजारा इस अवसर पर भी देखने को मिला।

जगह-जगह शुभकामनाओं के बैनर, स्वागत कार्यक्रम और लोगों की भीड़ ने जन्मदिन समारोह को जनउत्सव का रूप दे दिया। समर्थकों ने कहा कि मधुसूदन यादव का सरल स्वभाव, जनसेवा के प्रति समर्पण और लोगों से उनका आत्मीय जुड़ाव ही उनकी लोकप्रियता की सबसे बड़ी पहचान है। यही कारण है कि उनके जन्मदिन पर शहर के हर वर्ग के लोग स्वत:स्फूर्त रूप से शुभकामनाएं देने पहुंचे। कुल मिलाकर, जन्माष्टमी से पहले राजनांदगांव में मधुसूदन यादव का जन्मदिन केवल एक व्यक्तिगत उत्सव नहीं रहा, बल्कि जनभावनाओं और जनस्नेह का ऐसा उत्सव बन गया जिसने पूरे शहर को एक सूत्र में बांध दिया।

डौंडी-लोहारा साउंड-टेंट संघ की बैठक संपन्न, शासन के नियमों के पालन पर बनी सहमति

बालोद । साउंड-टेंट संघ ब्लॉक डौंडी-लोहारा की महत्वपूर्ण बैठक आज जेवरतला स्थित साहू भवन में आयोजित की गई।

बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि सभी सदस्य शासन के नियमों का पालन करते हुए साउंड का संचालन करेंगे और क्षेत्र में सभी एक ही रेट पर काम करेंगे ताकि आपसी प्रतिस्पर्धा और विवाद से बचा जा सके। साथ ही प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष का वार्षिक सम्मेलन दिनांक 16/11/2026, को ग्राम जेवरतला (रोड) मेंआयोजित किए जाने का निर्णय लिया गया। बैठक में साउंड टेंट संघ के अध्यक्ष राजीव देशमुख, उपाध्यक्ष देवकुमार साहू, सचिव राजकुमार सिन्हा, ग्रामीण अध्यक्ष उत्तरा घरेंद्र, ग्रामीण उपाध्यक्ष नंदकिशोर सिन्हा, हरीश साहू, जेवरतला जोन प्रभारी महेंद्र साहू, कुनाल साहू, तुलसीराम साहू, दीपेंद्र साहू, गिरीश साहू, सुमंत साहू, हितेश साहू, इंद्र साहू के साथ-साथ ब्लॉक के समस्त सदस्य उपस्थित रहे।

रक्तदान से जीवन में प्रेम, विश्वास और आपसी बंधुत्व की भावना जागृत होती है : पुष्पा दीदी

राजनांदगांव । प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा दादी प्रकाशमणि जी की 19वीं पुण्य स्मृति दिवस के अवसर पर विश्व बंधुत्व रक्तदान महाअभियान के अंतर्गत रक्तदान शिविर का आयोजन23अगस्त रविवार को किया गया। कार्यक्रम का आयोजन ब्रह्माकुमारीज के ज्ञान मानसरोवर में किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर सेवाकेंद्र संचालिका ब्रह्माकुमारी पुष्पा दीदी जी ने कहा कि रक्तदान महज किसी जरूरतमंद को रक्त उपलब्ध कराने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह मानवता और आपसी सहयोग की भावना को मजबूत करने का भी कार्य करता है। उन्होंने कहा, रक्तदान से हम केवल जीवन ही नहीं बचाते, बल्कि आपसी प्रेम, विश्वास और बंधुत्व की भावना भी जागृत करते हैं। उन्होंने लोगों से नियमित रूप से रक्तदान कर मानव सेवा में योगदान देने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पधारे मेडिकल कॉलेज पेण्ड्री के प्रभारी अधीक्षक चंद्रशेखर इंदौरिया ने कहा कि हर स्वस्थ व्यक्ति जो18से65वर्ष आयु का है रक्तदान कर सकता है। विशिष्ट अतिथि दिग्विजय महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष एच.एस. भाटिया ने ब्रह्माकुमारीज द्वारा आयोजित इस रक्तदान अभियान को सराहनीय पहल बताते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज में सेवा, सहयोग और भाईचारे की भावना को बढ़ावा देते हैं।मेडिकल कॉलेज ब्लड बैंक अधिकारी डॉ रिंकू सिंह ने सभी को रक्त दान करने के लिये प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन ब्रह्माकुमारी प्रभा बहन जी ने किया। शिविर के माध्यम से लोगों को रक्तदान के महत्व के प्रति जागरूक किया गया तथा मानव जीवन की रक्षा में रक्तदाताओं की भूमिका को रेखांकित किया गया। आयोजन का उद्देश्य दादी प्रकाशमणि जी की स्मृति को मानव सेवा और विश्व बंधुत्व की भावना से जोड़ना है। शिविर में लगभग 100 लोगो ने रक्तदान किया ।

धान की खेती में बियासी परंपरा को भूल रहे किसान

बहेराडीह । खरीफ सीजन में धान की खेती को लेकर गांवों में कभी खेतों की मेड़ पर बैलों की घंटियां और हल चलाते किसानों की तस्वीर आम हुआ करती थी। धान की बोनी के बाद बियासी के समय किसान बैलों की जोड़ी लेकर खेतों में उतरते थे। लेकिन बदलते समय के साथ खेती का यह पारंपरिक दृश्य अब धीरे-धीरे गायब होता जा रहा है। हल और बैलों की जगह ट्रैक्टर ने ले ली है और बियासी की पारंपरिक पद्धति भी किसानों की खेती से दूर होती जा रही है। धान की खेती में बियासी छत्तीसगढ़ की पुरानी कृषि परंपरा का महत्वपूर्ण हिस्सा रही है। धान की बोनी के करीब एक महीने बाद खेत में पर्याप्त नमी होने पर किसान हल चलाकर बियासी करते थे। इससे खेत की मिट्टी कुछ ढीली होती थी, उग आए खरपतवार नष्ट होते थे और धान के पौधों को दोबारा फैलने का अवसर मिलता था। इसके बाद किसान खेत में निंदाई कर फसल की देखभाल करते थे।

बैलों की जगह ट्रैक्टर ने संभाली कमान

वरिष्ठ पत्रकार कुंजबिहारी साहू किसान स्कुल बहेराडीह के संचालक दीनदयाल यादव ने बताया कि पहले गांवों में अधिकांश किसानों के पास बैल और हल हुआ करते थे। बियासी, जुताई और अन्य कृषि कार्य बैलों की मदद से किए जाते थे। इसमें किसान परिवार के सदस्य स्वयं खेत में श्रम करते थे। अब कृषि कार्यों में ट्रैक्टर और अन्य मशीनों का इस्तेमाल तेजी से बढ़ा है। कम समय में अधिक क्षेत्र की जुताई होने के कारण किसान ट्रैक्टर को प्राथमिकता देने लगे हैं।

सिवनी के प्रगतिशील किसान रामाधार देवांगन, बहेराडीह के पशु सखी पुष्पा यादव, कृषि सखी शशि कर्ष,मड़वा गांव के कृषि सखी भारती साहू व बुढ़ना के पशु सखी पूर्णिमा यादव का कहना है कि पहले एक खेत में बियासी करने में काफी समय और श्रम लगता था। बैलों की उपलब्धता और मजदूरों की जरूरत भी रहती थी। अब ट्रैक्टर से यह काम कम समय में किया जा सकता है। यही वजह है कि पारंपरिक कृषि पद्धतियां धीरे-धीरे पीछे छूट रही हैं।

बियासी सिर्फ जुताई नहीं, खेती की एक परंपरा,

बुजुर्ग किसानों के अनुसार बियासी केवल खेत में हल चलाने का नाम नहीं था, बल्कि यह धान की फसल की देखभाल से जुड़ी पूरी कृषि परंपरा थी। खेत की स्थिति देखकर बियासी का समय तय किया जाता था। किसान मिट्टी में नमी, धान के पौधों की अवस्था और खरपतवार की स्थिति देखकर निर्णय लेते थे।

बियासी के बाद खेत में निंदाई-गुड़ाई का काम भी किया जाता था। इससे धान के पौधों को पोषक तत्वों और पानी के लिए खरपतवार से होने वाली प्रतिस्पर्धा कम होती थी। किसानों के पारंपरिक अनुभव में बियासी को धान की अच्छी बढ़वार और अधिक कंसों के लिए महत्वपूर्ण माना जाता रहा है।

मशीनीकरण से काम आसान, लेकिन परंपरा हुई कमजोर,

कृषि में मशीनीकरण ने किसानों का काम निश्चित रूप से आसान किया है। ट्रैक्टर, पावर टिलर, रीपर, थ्रेशर और अन्य कृषि यंत्रों ने समय और श्रम की बचत की है। लेकिन इसके साथ खेती से जुड़ी कई पारंपरिक विधियां और कृषि संस्कृति भी कमजोर हुई हैं।

लंबित अपराधों के शीघ्र निराकरण पर जोर, एसपी गौरव राय ने ली मैराथन क्राइम मीटिंग

बलौदाबाजार । जिला पुलिस कार्यालय के सभाकक्ष में रविवार को पुलिस अधीक्षक गौरव राय की अध्यक्षता में अनुभागवार मैराथन क्राइम मीटिंग आयोजित की गई। बैठक में 31 जुलाई 2026 की स्थिति में लंबित अपराध, मर्ग, शिकायतों तथा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत लंबित प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा की गई। इस दौरान लंबित मामलों का शीघ्र निराकरण करने और विवेचना की गुणवत्ता बनाए रखने पर विशेष जोर दिया गया। बैठक में बलौदाबाजार, कसडोल और भाटापारा अनुभाग की अलग-अलग समीक्षा की गई। बलौदाबाजार अनुभाग की बैठक सुबह 10 बजे, कसडोल की दोपहर 12 बजे तथा भाटापारा अनुभाग की समीक्षा दोपहर 2 बजे हुई। एसपी ने थाना एवं चौकी प्रभारियों को लंबे समय से लंबित प्रकरणों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाने के निर्देश दिए। बीएनएसएस की धारा 193(9) के तहत पूरक चालान एवं अग्रिम विवेचना से जुड़े मामलों की भी समीक्षा की गई। विवेचकों को साक्ष्यों का उचित संकलन करते हुए निर्धारित समय-सीमा में न्यायालय में चालान प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। एसपी राय ने आमजनों से प्राप्त शिकायतों और मर्ग जांच की पेंडेंसी समाप्त करने के साथ ही आवेदकों की समस्याओं को संवेदनशीलता से सुनकर निष्पक्ष जांच करने को कहा। अपराध नियंत्रण के लिए अवैध शराब तस्करी, जुआ-सट्टा और असामाजिक तत्वों के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए गए। इसके अलावा गश्त और पेट्रोलिंग को प्रभावी बनाने पर जोर दिया गया। बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक खोमन

लंबित मांगों को लेकर सहायक शिक्षकों ने निकाली बाइक रैली, सौंपा ज्ञापन

अकलतरा । छत्तीसगढ़ सहायक शिक्षक ,समग्र शिक्षा फेडरेशन अकलतरा के बैनर तले शनिवार को शिक्षकों की विभिन्न लंबित मांगों को लेकर बाइक रैली निकाली गई। रैली के माध्यम से सेवारत शिक्षकों की सेवा सुरक्षा, टीईटी की अनिवार्यता रद्द करने, सहायक शिक्षकों की वेतन विसंगति दूर करने तथा पूर्व सेवा अवधि की गणना कर सभी सेवा लाभ प्रदान करने की मांग शासन के समक्ष रखी गई रैली में शामिल शिक्षकों ने कहा कि शासकीय विद्यालयों में सहायक शिक्षक एवं शिक्षक एलबी लंबे समय से निरंतर अपनी सेवाएं दे रहे हैं। इसके बावजूद विभिन्न सेवा संबंधी समस्याओं का निराकरण नहीं हो पाया है। फेडरेशन ने मांग की कि छत्तीसगढ़ के सेवारत

शिक्षकों को अन्य राज्यों की तर्ज पर टीईटी अनिवार्यता के संबंध में सेवा सुरक्षा प्रदान की जाए। साथ ही वरिष्ठता एवं पूर्व प्रचलित नियमों के आधार पर पदोन्नति प्रक्रिया पूर्ण करने की मांग की गई। फेडरेशन ने सहायक शिक्षकों की लंबे समय से चली आ रही वेतन विसंगति को दूर करने तथा शिक्षक संवर्ग में आने से पूर्व की सेवा अवधि को सेवा गणना में शामिल कर क्रमोन्नति, पेंशन एवं अन्य सभी सेवा लाभ प्रदान करने की मांग भी उठाई ।बाइक रैली के पश्चात शिक्षकों के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री एवं शिक्षा मंत्री के नाम ज्ञापन विकासखंड शिक्षा अधिकारी अकलतरा तथा अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अकलतरा के प्रतिनिधि नायब तहसीलदार को सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से शिक्षकों की समस्याओं का शीघ्र निराकरण कर न्यायोचित एवं सम्मानजनक समाधान किए जाने की मांग की गई।

रक्षाबंधन पर प्रतिभास्थली की छात्राओं ने सैनिक भाइयों के लिए भेजीं राखियां

डोंगरगढ़ । रक्षाबंधन के पावन पर्व पर प्रतिभास्थली ज्ञानोदय विद्यापीठ, चंद्रगिरि तीर्थ डोंगरगढ़ की छात्राओं ने देश की सीमाओं की रक्षा में तैनात वीर सैनिक भाइयों के प्रति अपना स्नेह, सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करते हुए एक विशेष राखी अभियान आयोजित किया। विद्यालय की छात्राओं ने स्वयं राखियां तैयार कर उन्हें सुंदर ढंग से पैक किया। छात्राओं ने सैनिक भाइयों के लिए शुभकामना संदेश और प्यार भरे संदेश भी भेजे। इस अवसर पर छात्राओं में देशभक्ति और उत्साह का विशेष वातावरण देखने को मिला। छात्राओं ने कहा कि हमारे सैनिक अपने परिवारों से दूर रहकर दिन-रात देश की सुरक्षा करते हैं। ऐसे वीर भाइयों के प्रति सम्मान और अपनत्व व्यक्त करने का रक्षाबंधन से बेहतर अवसर कोई नहीं हो सकता। विद्यालय परिवार की ओर से भेजी गई इन राखियों के माध्यम से छात्राओं ने संदेश दिया रक्षा का यह पवित्र बंधन केवल एक धागा नहीं।

भाठागांव (बी) में हरेली जगर उत्सव का भव्य आयोजन,

विधायक कुंवर सिंह निषाद ने किया निषाद समाज भवन का भूमिपूजन

बालोद। गुंडरदेही ब्लॉक के ग्राम भाठागांव (बी) में परिक्षेत्रीय एवं पचगैहा निषाद समाज द्वारा आयोजित हरेली जगर उत्सव कार्यक्रम में गुंडरदेही विधानसभा के विधायक कुंवर सिंह निषाद शामिल हुए।

इस दौरान विधायक ने निषाद समाज सामुदायिक भवन का भूमिपूजन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि हरेली छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोकसंस्कृति, परंपरा और किसानों की खुशहाली से जुड़ा महत्वपूर्ण पर्व है। यह पर्व हमें अपनी संस्कृति और परंपराओं को संजोकर रखने तथा आने वाली पीढ़ी तक पहुंचाने की प्रेरणा देता है।

उन्होंने कहा कि निषाद समाज सदैव अपनी मेहनत, एकजुटता और सामाजिक समरसता के लिए जाना जाता है। समाज की एकता और विकास के लिए सभी को मिलकर कार्य करना चाहिए। उन्होंने हरेली जगर उत्सव के आयोजन के लिए निषाद समाज को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर जनपद सदस्य रीना डोमन देशमुख, परिक्षेत्रीय निषाद समाज अध्यक्ष राजकुमार निषाद, जिला निषाद समाज अध्यक्ष राजेन्द्र निषाद, सरपंच दोषण लाल साहू, सरपंच तारिणी योगेश देशमुख, दंतेश्वरी निषाद, धनेश्वरी निषाद, कल्याणी निषाद, राधिका निषाद, परशोत्तम साहू, डॉ. राकेश साहू, अर्जुन सिंह ठाकुर, मधु निषाद, निशा निषाद, उत्तम निषाद, जितेन्द्र निषाद, टेपसिंह निषाद, मीठूराम निषाद, कुंजवती निषाद, खिलावन निषाद* सहित बड़ी संख्या में समाज के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

चांपा प्राथमिक शाला में पुस्तकालय का उद्घाटन

बलौदा बाजार । अब प्राथमिक शाला चांपा के बच्चे पढ़ाई के साथ-साथ नई-नई किताबें पढ़ सकेंगे और अपनी जानकारी बढ़ा सकेंगे। स्कूल में एक नए पुस्तकालय कक्ष का उद्घाटन किया गया, जो बच्चों के लिए ज्ञान के दरवाजे खोलने जैसा है।

यह पुस्तकालय इसलिए बनाया गया ताकि बच्चों में किताबें पढ़ने की आदत विकसित हो और उन्हें पढ़ाई के लिए अच्छा माहौल मिल सके। उद्घाटन समारोह में स्कूल की प्रधानपाठक अराधना वर्मा के नेतृत्व में विकासखंड शिक्षाधिकारी राजेंद्र टंडन ने श्रीफल तोड़कर इस कक्ष का शुभारंभ किया। इस मौके पर शिक्षाधिकारी राजेंद्र टंडन ने कहा, यह पुस्तकालय बच्चों की सोच को नई उड़ान देगा। किताबें बच्चों की सबसे अच्छी दोस्त होती हैं, ये उन्हें दुनिया के बारे में सिखाती हैं। मैं चाहता हूँ कि हर बच्चा यहाँ आए, किताबें पढ़े और अपने सपनों को पंख लगाए।

प्रधानपाठक अराधना वर्मा ने बताया, हमने इस पुस्तकालय में हर उम्र के बच्चों के लिए किताबें रखी हैं। अब बच्चे पाठ्यपुस्तकों के अलावा कहानियाँ, कविताएँ, विज्ञान, पर्यावरण और खोजों से जुड़ी किताबें भी पढ़ सकेंगे। हम चाहते हैं कि बच्चे किताबों से रूबरू हों और उनका मन पढ़ाई में लगे। मौके पर विकासखंड स्रोत समन्वयक गोपाल वर्मा, अजीम प्रेमजी फाउंडेशन से प्रत्युश सर, प्राचार्य भारती मढ़रिया और समन्वयक श्याम ध्रुव भी मौजूद रहे।

कच्ची दीवार ढहने से 11 बकरियों की मौत

जांजगीर-चांपा । मुलमुला थाना क्षेत्र के ग्राम झलमला से दर्दनाक हादसे की खबर सामने आई है। यहां कच्ची दीवार अचानक भरभराकर गिर गई, जिसके मलबे में दबने से 11 बकरियों की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि हादसे के वक्त दीवार के पास करीब 20 से 30 बकरियां और बकरे मौजूद थे। दीवार गिरने से कई बकरियां मलबे में दब गईं, जिनमें गर्भवती बकरियां भी शामिल थीं। वहीं चार बकरों की भी मौत होने की जानकारी सामने आई है। हादसे के बाद गरीब पशुपालक परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है और परिवार के सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना की सूचना राजस्व विभाग और पुलिस को दी गई है। मृत बकरियों और बकरों का पोस्टमार्टम कराया जाएगा, जिसके बाद उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। पशुपालक के मुताबिक इस हादसे में करीब दो लाख रुपये का नुकसान हुआ है। गरीब परिवार ने प्रशासन से आर्थिक मुआवजे की मांग की है, ताकि आकस्मिक हादसे में हुए इस बड़े नुकसान की कुछ भरपाई हो सके।

शक्ति वाहिनी द्वारा सावन उत्सव का भव्य आयोजनः सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और प्रतियोगिताओं ने बांधा समां

डोंगरगढ़ । सावन के पवित्र महीने के उल्लास और उमंग के बीच, शक्ति वाहिनी संगठन द्वारा स्वागतम हॉटल में एक भव्य सावन उत्सव का आयोजन किया गया। इस रंगारंग कार्यक्रम का शुभारंभ अत्यंत श्रद्धा और देशभक्ति के माहौल में भगवान शिव और भारत माता की वंदना व आरती के साथ किया गया।

रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां

आरती के पश्चात कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण सांस्कृतिक प्रस्तुतियां रहीं, जहां महिलाओं और युवतियों ने अपनी कला से समां बांध दिया।

इस दौरान ,रीना साहू, पूजा उज्जवने, सुनीता बघेल, कीर्ति बड़े, सौम्या भारद्वाज, सुधा श्रीवास्तव, हर्षा देवांगन, अंजू चौधरी, सविता साहू, गुलशन खांडेकर और नम्रता सिसोदिया समेत कई कलाकारों ने एक से बढ़कर एक शानदार प्रस्तुतियां दीं, जिन्हें दर्शकों ने खूब सराहा। रोमांचक प्रतियोगिताएं और विजेता

उत्सव के दौरान कई तरह की रोचक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें सदस्यों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया

जोड़ीदार गेम शो: इस प्रतियोगिता में कीर्ति बड़े और अंजलि मंझवार की जोड़ी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

म्यूजिकल कप गेम: इस रोमांचक मुकाबले में संतोषी यादव पहले स्थान पर रहीं, जबकि अंजलि मंझवार ने दूसरा स्थान हासिल किया।

सावन सुंदरी प्रतियोगिता: कार्यक्रम के अंत में आयोजित इस मुख्य प्रतियोगिता में ज्योति बड़वाईक ने सावन सुंदरी का खिताब अपने नाम किया, वहीं पूनम ठाकुर दूसरे स्थान पर रहीं।

कार्यक्रम के अंत में सभी विजेता प्रतियोगियों को समिति की ओर से स्मृति चिन्ह और उपहार देकर सम्मानित किया गया।

प्रमुख उपस्थिति

इस भव्य आयोजन को सफल बनाने में शक्ति वाहिनी की तमाम सक्रिय सदस्याओं का विशेष योगदान रहा।

सरस्वती शिशु मंदिर संस्कार और राष्ट्र निर्माण की प्रयोगशाला : शिवरतन शर्मा

भाटापारा ।-सरस्वती शिक्षा संस्थान, की वार्षिक क्रीड़ा योजना के अंतर्गत शनिवार को नगर के सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, सूरजपुरा रोड, में क्षेत्रीय एवं प्रांतीय स्तर की खेलकूद प्रतियोगिता (जूडो / कुराश / कराते / ताइक्वांडो) का भव्य एवं गरिमामय उद्घाटन समारोह संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ भाजपा नेता छत्तीसगढ़ शिवरतन शर्मा सम्मिलित हुए। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ माँ सरस्वती, भारत माता और विद्या भारती के प्रेरणा पुरुष परम पूज्य ओम जी के तैलचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया गया।

इस अवसर पर विद्यालय के भैया-बहनों द्वारा स्वागत गीत एवं मार्शल आर्ट की मनमोहक प्रस्तुति दी गई। समारोह को

संबोधित करते हुए शिवरतन शर्मा ने कहा कि सरस्वती शिशु मंदिर केवल एक विद्यालय नहीं है, बल्कि यह संस्कार का केंद्र और राष्ट्र निर्माण की प्रयोगशाला है। यहाँ बच्चों को केवल किताबी ज्ञान ही नहीं दिया जाता, बल्कि खेलों के माध्यम से उनमें अनुशासन, आत्मरक्षा, आत्मविश्वास और राष्ट्रभाव का जो बीजारोपण किया जा रहा है, वह वास्तव में वंदनीय और अनुकरणीय है। शिवरतन शर्मा ने कहा, आज के इस प्रतिस्पर्धी युग में शिक्षा के साथ-साथ शारीरिक रूप से सशक्त होना भी अत्यंत आवश्यक है। विशेषकर हमारी बहनों-बेटियों के लिए जूडो, कुराश, कराते और ताइक्वांडो जैसे आत्मरक्षात्मक खेलों का प्रशिक्षण बहुत जरूरी है। शर्मा ने आगे कहा कि प्रतियोगिता में भाग लेने आए सभी क्षेत्रों के खिलाड़ियों के चेहरों पर जो ऊर्जा, जोश और आत्मविश्वास देखने को मिला, वह यह विश्वास दिलाता है कि यही बच्चे आने वाले समय में हमारे भाटापारा, छत्तीसगढ़ और देश का नाम राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर रोशन करेंगे।

बालोद में छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना की जबर हरेली रैली संपन्न, पारंपरिक नृत्यों के साथ गूंजा नगर

बालोद । छत्तीसगढ़ के पहले लोक पर्व हरेली के पावन अवसर पर बालोद नगर में रविवार 23 सितंबर को छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना के तत्वावधान में भव्य जबर हरेली रैली का आयोजन किया गया। इस सांस्कृतिक रैली में छत्तीसगढ़ की माटी की महक और लोक परंपराओं का अनूठा संगम देखने को मिला, जिसने पूरे नगर को उत्सव के रंग में सराबोर कर दिया।

ठेठवार भवन से हुआ शंखनाद

रैली की शुरुआत स्थानीय ठेठवार भवन से हुई। पारंपरिक वाद्य यंत्रों की थाप और छत्तीसगढ़ महतारी के जयकारों के साथ युवाओं और संस्कृति प्रेमियों का हुजूम सड़कों पर उमड़ पड़ा। रैली में शामिल युवतियां और महिलाएँ छत्तीसगढ़ी वेशभूषा और पारंपरिक आभूषणों में सजी-धजी नजर आईं, जो पूरे आयोजन में मुख्य आकर्षण का केंद्र रहीं।

पारंपरिक नृत्यों से सजी संस्कृति की झलक: नगर भ्रमण के दौरान कलाकारों और युवाओं ने छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक

धरोहर का जीवंत प्रदर्शन किया। रैली में शामिल लोग पारंपरिक छत्तीसगढ़ी लोक नृत्यों जैसे पंथी, सुआ, करमा, और रीलो गीतों की धुन पर थिरकते नजर आए। इसके साथ ही, हरेली पर्व की पहचान बांस की गेंड़ी पर चढ़कर युवाओं ने अद्भुत संतुलन दिखाते हुए गेंड़ी नृत्य का प्रदर्शन किया, जिसे देखने के लिए सड़कों के दोनों ओर लोगों की भारी भीड़ जमा रही।इन मार्गों से गुजरी रैलीस्टेडियम से शुरू होकर यह विशाल रैली गंजपारा, दल्ली चौक, गंगासागर तालाब, जय स्तंभ चौक, दुर्ग-राजनांदगांव मार्ग, मवु चौक, हलवर नाथ योगी चौक, सदर रोड, पुराना बस स्टैंड और घड़ी चौक जैसे नगर के सभी प्रमुख चौक-चौराहों से गुजरी। जगह-जगह पर स्थानीय नागरिकों और व्यापारियों ने पुष्पवर्षा कर रैली का आत्मीय स्वागत किया।

सरदार वल्लभ भाई पटेल मैदान में समापन पूरे नगर का भ्रमण करने के बाद इस भव्य सांस्कृतिक रैली का समापन सरदार वल्लभभाई पटेल मैदान में हुआ। आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि इस रैली का मुख्य उद्देश्य नई पीढ़ी को अपनी समृद्ध छत्तीसगढ़ी संस्कृति, कृषि परंपरा और लोक कलाओं से जोड़े रखना है।

महाविद्यालय भवन जर्जर, अतिरिक्त कक्षों की मांग

खरौद, जांजगीर-चांपा । शासकीय लक्ष्मणेश्वर स्नातकोत्तर महाविद्यालय, खरौद का पुराना भवन वर्तमान में अत्यंत जर्जर अवस्था में पहुंच चुका है, जिससे महाविद्यालय के शैक्षणिक वातावरण एवं अध्यापन कार्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। हाल ही में महाविद्यालय के एक कक्ष की दीवार गिर जाने की घटना ने विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता उत्पन्न कर दी है। इसके अतिरिक्त भवन के दो अन्य कक्ष भी क्षतिग्रस्त अवस्था में हैं, जिनका उपयोग करना जोखिमपूर्ण हो गया है।

महाविद्यालय में स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर की कक्षाएं संचालित होने के कारण विद्यार्थियों की संख्या निरंतर बढ़ रही है।

14 बच्चों के बने आधार कार्ड, शिविर का वार्डवासियों ने उठाया लाभ

राजनांदगांव । महावीर वार्ड क्रमांक 37 में तीन वर्ष या उससे कम आयु के बच्चों का आधार कार्ड बनाने के लिए शनिवार को गंज चौक स्थित पार्षद कार्यालय में शिविर आयोजित किया गया। शिविर में वार्डवासियों ने उत्साह के साथ पहुंचकर अपने बच्चों के आधार कार्ड बनवाए। शिविर में कुल 14 बच्चों के आधार कार्ड बनाए गए। भाजपा पार्षद जैनम बैद ने कहा कि छोटे बच्चों के आधार कार्ड बनवाने के लिए अभिभावकों को अलग-अलग स्थानों पर जाने से होने वाली परेशानी को देखते हुए वार्ड में यह शिविर आयोजित किया गया। शिविर का उद्देश्य वार्ड के अधिक से अधिक बच्चों को आधार पहचान से जोड़ना है, ताकि भविष्य में उन्हें शासकीय योजनाओं, विद्यालय में प्रवेश तथा अन्य आवश्यक कार्यों में किसी प्रकार की कठिनाई न हो। उन्होंने कहा कि वार्डवासियों की आवश्यकता के अनुसार इस तरह के उपयोगी शिविर आगे भी आयोजित किए जाएंगे। जनसुविधाओं से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता देते हुए वार्ड में लोगों को आवश्यक सेवाएं उनके आसपास ही उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। जैनम बैद ने शिविर के सफल आयोजन में सहयोग करने वाले सभी लोगों का आभार व्यक्त किया।

बिहान से मिली नई उड़ान, खेती से आत्मनिर्भर बनीं कल्पना सिंह

अम्बिकापुर। ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में बिहान योजना के माध्यम से स्वयं सहायता समूहों से जुड़कर महिलाएं आज आजीविका के नए अवसरों को अपना रही हैं। इसी क्रम में अम्बिकापुर विकासखंड के सकालो ग्राम पंचायत की रहने वाली कल्पना सिंह मां महामाया महिला स्वयं सहायता समूह की अध्यक्ष हैं। समूह के माध्यम से ऋण लेकर कृषि कार्य को अपनी आजीविका का मजबूत आधार बनाया है। कृषि गतिविधियों से बढ़ती आमदनी के चलते कल्पना सिंह अब 'लखपति दीदी' के रूप में अपनी पहचान बना चुकी हैं।

कल्पना सिंह बताती हैं कि उन्होंने अपने समूह के माध्यम से डेढ़ लाख रुपए का ऋण कृषि कार्य के लिए लिया, जिससे

उन्होंने खीरे की खेती शुरू की। वर्तमान में खेत में खीरे की तुड़ाई का कार्य जारी है और फसल से उन्हें अच्छी आमदनी प्राप्त हो रही है। वे हर वर्ष समूह के माध्यम से ऋण लेकर मौसम के अनुरूप अलग-अलग सब्जियों एवं फसलों की खेती करती हैं। इनमें बैंगन, टमाटर, खीरा, तरबूज सहित अन्य फसलें शामिल हैं। अलग-अलग कृषि गतिविधियों को अपनाने से उन्हें आय के विविध स्रोत मिले हैं और परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूती मिली है।

कल्पना सिंह के लिए बिहान से जुड़ना केवल आर्थिक गतिविधियों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इसने उनके व्यक्तित्व और आत्मविश्वास में भी सकारात्मक बदलाव किया है। वे बताती हैं कि समूह से जुड़ने से पहले वे अधिकतर घर तक ही सीमित रहती थीं।

साइबर अपराध जागरूकता कार्यशाला का आयोजन

बालोद (महाकोशल)। शहीद गैंदसिंह नायक शासकीय महाविद्यालय, मंगचुवा में छात्र-छात्राओं को साइबर अपराधों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से साइबर अपराध जागरूकता अभियान के अंतर्गत एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में थाना प्रभारी मंगचुवा एस. आर. मंडावी ने विद्यार्थियों को ऑनलाइन ठगी, फिशिंग, **OTP** एवं **PI** फ्रॉड, सोशल मीडिया अपराध, साइबर बुलिंग एवं ऑनलाइन ब्लैकमेलिंग सहित विभिन्न साइबर अपराधों तथा उनसे बचाव के उपायों की जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को **OTP, PIN, CVV** एवं पासवर्ड जैसी गोपनीय जानकारी साझा न करने और संदिग्ध लिंक एवं कॉल से सतर्क रहने की सलाह दी।

टीसी काउंटर में डीईओ के फर्जी हस्ताक्षर से हड़कंप, दो कर्मचारियों को नोटिस

जांजगीर-चांपा । जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय जांजगीर में टीसी (स्थानांतरण प्रमाण पत्र) के काउंटर साइन को लेकर गंभीर मामला सामने आया है। आरोप है कि कार्यालय में पहुंचे एक छात्र की टीसी पर जिला शिक्षा अधिकारी के स्थान पर कार्यालय के ही एक कर्मचारी ने कथित तौर पर हस्ताक्षर कर दिए और डीईओ की सील-ठप्पा लगाकर दस्तावेज थमा दिया। मामला सामने आने के बाद कार्यालय में हड़कंप मच गया है। बताया जा रहा है कि महाराष्ट्र के पुणे से टीसी लेकर जिले में पढ़ाई के लिए आए छात्र अपने अभिभावक के साथ काउंटर साइन कराने जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय पहुंचा था। आरोप है कि वहां पदस्थ एक कर्मचारी ने स्वयं हस्ताक्षर कर डीईओ की सील लगा दी। बताया गया कि संबंधित टीसी पर पूर्व जिले के डीईओ के हस्ताक्षर भी नहीं थे।

दो कर्मचारियों को थमाया नोटिस: मामला डीईओ अशोक सिन्हा के संज्ञान में आने के बाद कार्यालय के एक भृत्य और वरिष्ठ लेखा परीक्षक को कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया है। विभागीय स्तर पर मामले की जांच की जा रही है। हालांकि, पूरे मामले को लेकर कार्यालयीन प्रक्रिया और जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका पर सवाल उठने लगे हैं।

काउंटर साइन के नाम पर लेन-देन का भी आरोप: टीसी के काउंटर साइन को लेकर पूर्व में भी कार्यालय में लेन-देन के आरोप लगते रहे हैं। ऐसे में इस मामले के सामने आने के बाद एक बार फिर काउंटर साइन की प्रक्रिया और उसकी निगरानी

व्यवस्था सवालों के घेरे में है। हालांकि, लेन-देन के आरोपों की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है।

मीडिया को जानकारी देने से बचा विभाग: डीईओ के हस्ताक्षर की जगह कर्मचारी द्वारा हस्ताक्षर किए जाने जैसे गंभीर आरोपों के बावजूद विभाग ने मामले को अंदरूनी कार्यालयीन प्रकरण बताते हुए सार्वजनिक जानकारी देने से दूरी बनाए रखी। इस संबंध में डीईओ अशोक सिन्हा से जानकारी लेने पर उन्होंने इसे ऑफिसियल मामला बताया और कहा कि कार्यालय के कर्मचारियों को नोटिस जारी किए जाते रहते हैं। इसके बाद उन्होंने मामले पर विस्तृत जानकारी देने से इनकार कर दिया। अब सवाल यह है कि आखिर डीईओ के हस्ताक्षर की जगह किसी कर्मचारी द्वारा हस्ताक्षर कर सील-ठप्पा लगाने की अनुमति कैसे मिली और टीसी काउंटर साइन की प्रक्रिया में जिम्मेदारी किसकी थी। नोटिस के जवाब और विभागीय जांच के बाद ही मामले की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

बचपन की हॉबी कभी न छोड़ें, यह आपकी पहचान बन सकती है

याद कीजिए वो चीजें, जो हम बचपन में कलेक्ट करते थे? स्टाम्प, सिक्के, की-चेन, माचिस की डिब्बियां, कंचे, पोस्टकार्ड, सीपियां, टॉय कार, बोतलों के ढक्कन और फैमिली हॉलिडे के दौरान बीच पर मिले अनोखे पत्थर। 8-10 साल की उम्र में हम इन्हें गंभीरता से इकट्ठा करते थे। ऐसा करने के लिए हमें कोई कहता नहीं था। बस हमें कोई चीज दिलचस्प लगती तो हम चाहते कि ऐसी एक मेरे पास भी हो।

फिर जिंदगी आगे बढ़ी। पढ़ाई, नौकरी, शादी, बच्चे और जिम्मेदारियों ने उन छोटे शौकों को कोने में धकेल दिया। हमारे कलेक्शन सूटकेसों, मचानों और भूली-बिसरी अलमारियों में गायब हो गए। कुछ नमी से खराब हो गए, कुछ घर की सफाई में फेंक दिए गए और बहुत-से खो गए। अगर हम उन्हें नहीं छोड़ते तो क्या होता? शायद वे कोई अधिक बड़ी चीज बन सकते थे।

मैं हमेशा अपनी स्टाम्प कलेक्शन हॉबी के खो जाने का अफसोस करता हूं। उस उम्र में अकसर मुझे कई उन विदेशी रेडियो स्टेशनों से पत्र मिलते थे, जिन्हें मैं सुनता था। मैं उन्हें पत्र लिखता था और बदले में वे मुझे जवाब देते। लेकिन मैंने उन सभी को खो दिया, सिवाय पूर्व प्रधानमंत्री आईके गुजराल के कुछ पत्रों के। तब वे अविभाजित यूएसएसआर में विदेशी दूतावास में कार्यरत थे।

पुणे में पिंपरी-चिंचवड़ के 40 वर्षीय महेश लोणकर को लीजिए। टॉर्चलाइट के प्रति बचपन में शुरू हुआ उनका आकर्षण आज 1200 से ज्यादा फ्लैशलाइट के असाधारण कलेक्शन में बदल चुका है। इनमें कुछ तो एक सदी पुरानी हैं। लोणकर ने अपनी पहली टॉर्च महज 10 साल की उम्र में खरीदी थी। दशकों बाद आज उनके पास ऐतिहासिक और मिलिट्री फ्लैशलाइट्स हैं। इनमें से कुछ तो प्रथम और द्वितीय विश्व युद्ध के दौर की हैं। उनके कलेक्शन में बंदूकनुमा फ्लैशलाइट, बोतल के आकार के मॉडल, इमरजेंसी रेडियो फ्लैशलाइट, हाथ से चलने वाली फ्लैशलाइट, मिनिएचर टॉर्च और गोल्ड-प्लेटेड चीजें भी हैं।

उनके कलेक्शन में सबसे कीमती 1905 में बनी एक एवर-रेडी फ्लैशलाइट है, जो उन्होंने नीलामी में 65 हजार रुपए में खरीदी थी। इसमें एक दुर्लभ 'ग्लव कैच स्विच' है- एक शुरुआती मैकेनिज्म, जिससे बैटरी से चलने वाली लाइट को चालू रखा जा सकता था। दिलचस्प यह है कि लोणकर ने इन्हें महज कलेक्ट ही नहीं किया।

उन्होंने इन्हें रिपेयर और साफ करना भी सीखा, क्योंकि कई पुरानी चीजें उनके पास टूटी-फूटी हालत में पहुंची थीं। उनकी हॉबी कलेक्शन से परे जाकर नॉलेज में बदल गई। जब बचपन के किसी आकर्षण को प्रोत्साहन दिया जाए तो ऐसा ही होता है।भारत में ऐसे कई उदाहरण हैं। मसलन, अहमदाबाद के वेचार म्यूजियम में 4 हजार से ज्यादा पारंपरिक बर्तन हैं। इनमें कुछ तो सदियों पुराने हैं। रेस्टोरेंटर सुरेंद्र पटेल ने जब देखा कि पुराने बर्तनों को भट्टियों में पिघलाने के लिए भेजा जा रहा है तो उन्होंने 1978 में इन्हें खरीदकर संरक्षित करना शुरू किया। आखिरकार यह कलेक्शन 1981 में एक म्यूजियम बन गया। इसी तरह, पुणे के राजा दिनकर केलकर म्यूजियम में भी पारंपरिक रसोई बर्तनों की एक अद्भुत रेंज संरक्षित है। दुनिया में सिक्कों, स्टाम्प्स, घड़ियों, रेडियो, कैमरों, माचिस की डिब्बियों, पोस्टकार्डों, खिलौनों, फाउंटेन पेन और पारंपरिक हांडियों तक के कलेक्टर्स भी हैं। शुरुआत में किसी साधारण-सी चीज के प्रति जुनून लगने वाला शौक आगे जाकर इतिहास, कारीगरी और संस्कृति का रिकॉर्ड बन सकता है। इसीलिए पैरेंट्स को बच्चों की किसी हॉबी को समय की बर्बादी मानकर खारिज करते हुए शायद सावधान रहना चाहिए। जरूरी नहीं कि हर हॉबी पेशा बने, लेकिन यह ऐसी चीज सिखाती है, जो अकसर किताबें नहीं सिखा पातीं- ऑब्जर्वेशन, धैर्य, जिज्ञासा, रिसर्च और वर्षों तक किसी चीज के प्रति आकर्षण बनाए रखने की क्षमता।

पैसा अगर जल्दी निवेश किया जाए तो कंपाउंडिंग के जरिए बढ़ता है। जिज्ञासा भी उसी तरह बढ़ती है। कोई बच्चा 10 साल की उम्र में किसी चीज का कलेक्शन शुरू करता है और 20 वर्षों तक जारी रखता है तो वह सिर्फ चीजें जमा नहीं करता। वह नॉलेज, कहानियां, संपर्क, विशेषज्ञता और आखिरकार एक रेपुटेशन भी जमा करता है।

अगली बार कोई बच्चा अजीब सिक्का, पुरानी चम्मच, टूटी घड़ी या बोतल का अनोखा ढक्कन लेकर घर आए तो तत्काल यह मत पूछना कि 'तुम इन सबका क्या करोगे?' इसके बजाय पूछना कि 'तुम्हें इसमें इतना दिलचस्प क्या लगा?' क्योंकि आज का छोटा-सा कलेक्शन कल का म्यूजियम बन सकता है। फंडा यह है कि कभी-कभी जिस हॉबी को हम 12 साल की उम्र में छोड़ चुके होते हैं, वही 40 की उम्र में वो पहचान बन सकती है, जिसे हम तलाश रहे थे।

'पेपर लीक' के मामलों में लीक से अलग सोचें

करन सिंह होरा
संपादक
साकार भारत

पेपर लीक के बाद किसी परीक्षा की पूरी प्रक्रिया को ही रद्द कर देना, बढ़ते विवाद को रोकने का आसान रास्ता है। आमतौर पर सरकारें यही आसान रास्ता अपनाती हैं और अदालतों के पास भी यही विकल्प बचता है। ऐसा होने पर उन बहुसंख्यक अभ्यर्थियों के साथ अन्याय हो जाता है, जो न तो पेपर लीक करने या उससे फायदा उठाने में किसी भी तरह से दोषी होते हैं, न ही उस सिस्टम के लिए जिम्मेदार जिसकी वजह से परीक्षाओं में भ्रष्टाचार होता है। सिस्टम को ठीक किए बिना इस बात की गारंटी नहीं ली जा सकती कि दोबारा होने वाली परीक्षा में सब कुछ ठीक रहेगा। वर्तमान परीक्षा में भ्रष्टाचार का मामला सामने आने के बाद पूर्व में हो चुकी परीक्षाओं को भी रद्द करने का फैसला तो और भी अतार्किक लगता है। यदि सरकार ने मान लिया कि पूर्व परीक्षाओं में भी भ्रष्टाचार हुआ, तब भी बिना किसी जांच के यह कैसे पता चला कि यह कब से हो रहा था?

झारखंड लोक सेवा आयोग का 22 भर्ती परीक्षाओं को रद्द करने का फैसला और झारखंड हाई कोर्ट द्वारा इस फैसले पर रोक लगाने का आदेश, 'नीट' विवाद के बाद फिर नई चर्चा में है। खासकर इसलिए भी कि झारखंड सरकार ने जिन परीक्षाओं को रद्द किया था, उन्हें पास करने वाले ऐसे अभ्यर्थी भी थे जिनकी सालों पहले नियुक्ति हो चुकी थी। जाहिर है, कुछ अभ्यर्थियों के साथ हुए अन्याय का समाधान एक दूसरे, बड़े समूह के साथ अन्याय करके नहीं हो सकता, जब तक यह साबित न हो जाए कि नियुक्त होने वाला पूरा समूह ही दोषी है। ऐसे मौकों का राजनीतिक इस्तेमाल करने और उसे रोकने के लिए सरकार और विपक्ष का आमने-सामने आना स्वाभाविक है। लोकतंत्र में ऐसे टकराव व्यवस्था में सुधार का दबाव बनाते हैं, जैसा नीट के मामले में भी दिखा था - सरकार को सुधार के लिए कई नए कदम उठाने पड़े। हालांकि वे कितने कारगर होंगे, यह समय ही बताएगा। परीक्षाओं और नियुक्तियों को रद्द करने के फैसले को आंदोलनकारी विद्यार्थियों की जीत भले ही माना जाए, पर यह समस्या का स्थायी समाधान नहीं है।

अव्वल तो हर परीक्षा फुलप्रूफ होनी चाहिए। लेकिन यदि कभी परीक्षा में कदाचार के मामले सामने आ भी जाएं, तो ज्यादा जरूरी उससे फायदा उठाने वालों की पहचान करना होना चाहिए।

शालीनता वहां निखरती है, जहां रुतबा नहीं दिखता

फिल्मों में कुछ भावनात्मक भूमिकाएं ऐसी होती हैं, जो आपकी स्मृति पर अमिट छाप छोड़ जाती हैं। मेरे लिए तमिल में निर्मित 'अन्नै' (मां) भी ऐसी ही फिल्मों में शामिल थी। 1962 की इस फिल्म को मैंने शायद 10 साल की उम्र में देखा था।

फिल्म एक नि:संतान दम्पती की कहानी पर आधारित थी, जिन्हें एक गरीब मां अपना एक बच्चा दे देती है, लेकिन बाद में अपने बड़े होते बच्चे के अभाव की गहरी पीड़ा से जूझती है। फिल्म ने मुझे उस उम्र में खुद से यह वादा करने पर मजबूर कर दिया कि मैं कभी अपनी मां को छोड़कर नहीं जाऊंगा।

दक्षिण भारतीय सिनेमा की दिग्गज अभिनेत्री सौकार जानकी ने इसमें मां की भूमिका निभाई थी। उन्हें ट्रैजेडी-क्वीन के रूप में जाना जाता था और इसके सहित कई अन्य क्लासिक फिल्मों में उन्होंने अपने मर्मस्पर्शी और भावुक अभिनय से दर्शकों की आंखें नम कर दी थीं।

अगर आप उनकी फिल्मों को देखें तो पाएंगे कि एक बात उन्हें दूसरों से अलग करती थी- उनका संवाद बोलने का गहरा और प्रभावशाली अंदाज, जिसमें लाउड और नाटकीय अभिनय के बजाय चेहरे के सूक्ष्म भाव और संयत अभिव्यक्ति दिखाई देती थी।

वे हमेशा अपनी भूमिका को सहजता से निभाती थीं, लेकिन अपने चेहरे के खामोश भावों से दर्शकों को प्रभावित कर देती थीं। वे दु:ख को बेहद निजी और पीड़ादायक बना सकती थीं, क्योंकि वे सिनेमा में स्टार बनने नहीं, अपने परिवार के लिए रोजी-रोटी का बंदोबस्त करने के लिए आई थीं।

इंडियन एक्सप्रेस में अपने पत्रकारिता के दिनों के दौरान मुझे सार्वजनिक जगहों पर जानकी के व्यवहार के बारे में पता चला था। शनिवार को जब 94 वर्ष की उम्र में उनकी मृत्यु की खबर मिली, तो मुझे वो बातें याद हो आईं। उनसे मैंने जो एक बात सीखी, वो यह थी कि सार्वजनिक जगहों पर व्यक्ति को किस तरह खुद को पेश करना चाहिए।

चूंकि जानकी ने 450 से अधिक फिल्मों में काम किया था, इसलिए उनके पास हर जगह अपनी हैसियत का रुतबा भी साथ लेकर चलने की तमाम वजहें थीं। उन्होंने सिनेमा में सात दशक से अधिक समय बिताया था और एम.जी. रामचंद्रन तथा शिवाजी गणेशन जैसे दिग्गजों के साथ काम किया था।

उनका नाम ही अपने आप में इतिहास था। फिर भी, जब उनकी पोती ने थिएटर की दुनिया में पदार्पण किया तो उन्होंने बेहद साधारणता का परिचय दिया। उन्होंने अपने लिए कोई विशेष सीट नहीं मांगी। उन्होंने आयोजकों से कोई घोषणा करवाने की अपेक्षा नहीं की।

उन्होंने चुपचाप टिकट खरीदा, थिएटर में गईं और एक कोने में बैठकर अपनी पोती का अभिनय देखा। यह छोटा-सा व्यवहार उनकी शख्सियत के बारे में गहरी सूचना देता है। जब भी मैं कई लोगों को ट्रैफिक नियम तोड़ने के बाद कांस्टेबल के सामने यह रौब झाड़ते देखता हूं कि वे संसद जा रहे हैं, तो मेरा सवाल होता है, तो क्या हुआ? क्या इससे आपको लाल बत्ती तोड़ने की अनुमति मिल जाती है?

अगर सिर्फ संसद जाने भर से कोई व्यक्ति ट्रैफिक नियम तोड़ने के बाद इस तरह का आत्मविश्वास प्रदर्शित कर सकता है, तो आप किसी कंपनी के प्रबंध निदेशक की स्थिति समझ सकते हैं। ताज्जुब नहीं कि वे पारिवारिक समारोह में भी प्रबंध निदेशक ही बने रहते हैं।

एक वरिष्ठ नौकरशाह की यह अपेक्षा होती है कि सेवानिवृत्ति के बाद भी उसके साथ वरिष्ठ नौकरशाह जैसा व्यवहार किया जाए। प्रतिष्ठित पेशेवर भी कभी-कभी यह उम्मीद करते हैं कि जिस पद पर वे कभी बैठे थे, उसे छोड़ने के वर्षों बाद भी दुनिया उसे याद रखे। हम भूल जाते हैं कि पदनाम तो पदों से जुड़े होते हैं, लेकिन कद व्यक्तित्व से ही बनता है।

पद हमें अधिकार दे सकता है, लेकिन लोगों के प्यार की गारंटी नहीं दे सकता। कोई पद हमारे कमरे में प्रवेश करते समय लोगों को खड़ा होने पर मजबूर कर सकता है, लेकिन हमारे चले जाने के बाद उनके मन में सम्मान पैदा नहीं कर सकता। वह सम्मान तो उस पद के पीछे मौजूद इंसान के कारण ही मिलता है।

विडम्बना यह है कि वास्तव में सफल लोगों को अपनी अहमियत बताने की शायद ही कभी जरूरत पड़ती है। उन्हें कुछ साबित नहीं करना होता। वे कतार में खड़े हो सकते हैं, अपना टिकट खुद खरीद सकते हैं, चुपचाप एक कोने में बैठ सकते हैं और उस व्यक्ति के लिए तालियां बजा सकते हैं, जो अपनी उस यात्रा की शुरुआत ही कर रहा है जिसे वे दशकों पहले पूरा कर चुके हैं। यही वास्तविक कद है।

फंडा यह है कि अपनी प्रतिष्ठा को सहजता से लेना चाहिए। लोगों को हमारी इंसानियत महसूस होने से पहले हमारा पद महसूस नहीं होना चाहिए। क्योंकि एक दिन लोग उस कुर्सी को भूल सकते हैं, जिस पर हम बैठे थे, लेकिन उन्हें यह याद रहेगा कि हमने उन्हें कैसा महसूस कराया था।

बचपन की वो बातें...
यादों में गुनगुनाती है...
शहतूत के पेड़ याद आते..
मॉ!की लोरी बुलाती है...
मासूम ठिठोली लगती थी..
उन यारों की याद सताती है..
कविता"आत्मा"

-Kavita Sharma Kaushik

मां ही बनाती है भगवान- गर्भ में रचती है नई सृष्टि

माता गर्भे जनयति। मां भगवती है और वह अपना यह दिव्य स्वरूप रक्त-संस्कार के माध्यम से शिशु में संचारित कर उसको भगवान बनाती है। इसलिए तैत्तिरीय श्रुति में कहा गया है-मातृदेवो भव। माता के साथ पिता और आचार्य को भी देवत्व श्रेणी में रखा गया है। पिता बीज प्रदाता है। बीज के बिना वृक्ष का होना असंभव है। सुश्रुत संहिता में कहा गया है जिस प्रकार अनुकूल ऋतु, हल जुता हुआ क्षेत्र, जल और बीज के संयोग से अंकुर उत्पन्न होता है, उसी प्रकार ऋतुकाल, शुद्ध गर्भाशय, आहार रस और शुक्र-शोणित के संयोग से गर्भ की प्राप्ति होती है।

ध्रुवं चतुर्णां सान्निध्याद् गर्भ: स्याद् विधिपूर्वक:।

ऋतुक्षेत्रम्बुबीजानां सामर्थ्याद् अंकुरो यथा। (सुश्रुत संहिता 2.33)

वैदिक दृष्टि से सृजन ब्रह्म की मूल कामना है-एकोऽहं बहुस्याम्। माया इसी कामना की पूर्ति के लिए सृजन की शक्ति है। ब्रह्म की सृष्टि में स्थूल भाव में पुरुष और स्त्री ही इस कामना की पूर्ति का माध्यम बनते हैं। यह सर्जनेच्छा आरंभ से ही उनके सूक्ष्म शरीर में विद्यमान रहती है। कारण शरीर ही इच्छा, वासना और संस्कारों का संग्रह है। गर्भ में केवल भौतिक पिण्ड नहीं बनता बल्कि जीवात्मा और ब्रह्मांश का आगमन होता है। जीवात्मा के साथ उसका कारण शरीर जुड़ा होता है जिसमें उसके पूर्वजन्मों के संचित कर्म और संस्कार साथ रहते हैं।

आचार्य सुश्रुत के अनुसार शुक्र और शोणित के संयोग से जब उसके साथ जीवात्मा की प्राप्ति होती है, तब उसको गर्भ कहा जाता है। गर्भ कर्मपुरुष के साथ ही भौतिक लिंग शरीर से भी युक्त होता है जिसमें सत्व-रज-तम तीनों गुण तथा देवासुर-भाव भी विद्यमान रहता है। एक श्रेष्ठ संतान हेतु स्थूल शरीर की शुद्धि, मन का संस्कार और सूक्ष्म ऊर्जाओं का जागरण गर्भाधान पूर्व ही करना आवश्यक है। गर्भाधान प्रक्रिया में स्त्री और पुरुष की क्रियाएं मात्र जैविक न होकर आध्यात्मिक भावों से भी

युक्त रहती हैं। यह प्रक्रिया तीन स्तरों पर एक साथ घटित होती है- स्थूल (शारीरिक), सूक्ष्म (मानसिक/प्राणिक) तथा कारण (आध्यात्मिक)। स्थूल शरीर की आरंभिक तैयारी को गर्भाधान से पूर्व ही किया जाता है। इस हेतु दोनों ही वमन, विरेचन आदि यौगिक क्रियाओं से अपने शरीर का शोधन करते हैं, ताकि वात, पित्त, कफ रूप त्रिदोषों में संतुलन बन सके। त्रयो वा इमे त्रिवृतो लोका: के अनुसार क्रमश: दिव्याग्नि, पार्थिवाग्नि और अद्भ्य: से उपलक्षित द्युलोक, पृथ्वी और अन्तरिक्ष ही वायु, अग्नि और सोम हैं, जो त्रिधातुयुक्त औषधियों की उत्पत्ति के मूल कारण हैं—

त्रिनों अश्विना दिव्यानि भेषजा त्रि: पार्थिवानि त्रिरु दत्तमद्भ्य:।

ओमानं शंयोर्ममकाय सूनवे त्रिधातु शर्म वहतं शुभस्पती॥ (ऋग्वेद 1.34.6)

भुक्त अन्न (औषधियां) ही शुक्र रूप में परिणत होता है। पुरुष के साथ ही स्त्री में भी यह धातु साम्य आवश्यक है ताकि प्रजनन के अनुकूल ऋतुकाल में कष्ट न हो। औषधि रूप अन्न में तीनों धातुओं का संतुलन आवश्यक है। धातुत्रयी की साम्यावस्था नैरोग्य है तथा विषमावस्था रोगों की उपक्रम स्थली बनती है-

विकारो धातुवैषम्यं साम्यं प्रकृतिरुच्यते

सुखसंज्ञकमारोग्यं विकारो दु:खमेव च। (चरक सूत्र 1)

शुचीनां श्रीमतां गेहे योगभ्रष्टोऽभिजायते -गीता सिद्धांत के अनुसार गर्भाधान पूर्व में दम्पती की प्रार्थनाओं का प्रभाव ही उस दिव्यात्मा को आकृष्ट करता है और गर्भ में प्रतिष्ठित होकर नवीन योनि की यात्रा का पथिक बनता है। इस क्रम में गर्भ छह भावों से युक्त होता है—

भावा: स्यु: षड्विधास्तस्य मातृजा: पितृजास्तथा।

युग तुलसी श्रीरामकिंकर उवाच ...

भगवान राम को कैकेईजी ने जब यह बताया कि मैंने तो यह वरदान मांगा है। उसे सुनकर भगवान श्रीराघवेंद्र बार-बार कहते हैं कि तुम तो मेरी जननी हो। और भगवान राम के इस छोटे से शब्द में गंभीर संकेत छिपा हुआ है। जिसे कैकेईजी अभी तो समझ नहीं पा रही हैं पर बाद में उन्हें पता चल गया। कैकेईजी ब्रह्मा से नित्य वरदान मांगती थी कि जब मेरा अगला जन्म हो तो राम मेरे पुत्र बने और सीता मेरी बहू बने। और इस प्रार्थना से भगवान राम के सामने बड़ा संकट खड़ा हो जाता था क्योंकि श्रीराम सबके कर्मफल दाता हैं और जब कैकेई अंबा पूजा करके यह वरदान मांगती हैं, तो भगवान को लगता है कि अगर इनका अगला जन्म हो जाए तो मेरी महिमा चली जाएगी, और अगर माँ की इच्छा पूरी न हो तो भी मेरी महिमा चली जाएगी। क्योंकि मेरी महिमा यह है कि जो मेरा आश्रय लेता है वह मुक्त हो जाता है और इस फल के अनुसार मां का जन्म नहीं होना चाहिए, उनकी मुक्ति होनी चाहिए। पर मां की इच्छा है कि मेरा जन्म हो और राम मेरे पुत्र बनें। लेकिन मां की इच्छा अगर अधूरी रह जाएगी तब तो सिद्धांत ही झूठा हो जाएगा। भगवान श्रीराघवेंद्र का संकेत यह था कि आप यही तो चाहती थीं कि आपका अगला जन्म हो और मैं आपका बेटा बनूँ। तो लीजिए आज आपका अगला जन्म हो गया और मैं आपका बेटा बन भी गया। पर भई ! अगला जन्म तो मृत्यु के बाद ही होता है और भौतिक दृष्टि से देखें तो कैकेईजी की मृत्यु नहीं हुई, पर मृत्यु केवल शरीर से मर जाना ही नहीं है, विचार करके अगर देखा जाए तो कैकेईजी की मृत्यु हो गई।

फिर ऐसी पीड़ा न हो किसी को कौन सोचता है.....

रोज हादसे होते रहते हैं,रोज हर उमर के लोग मरते रहते हैं,कोई अपनी गलती से मरता है तो कोई दूसरों की गलती मरता है।कोई चाहे अपनी गलती से मरे या किसी दूसरे की गलती से मरे,किसी न किसी को पीड़ा तो होती है।ज्यादातर लोग ऐसे होते हैं जो दूसरे की पीड़ा को महसूस नहीं करते है और सोचते है अपनी गलती के कारण उसे ऐसी पीड़ा हुई है,कुछ लोग होते हैं कि थोड़ी देर के पीड़ा महसूस करते हैं और सांत्वना देने तक ही सीमित रहते हैं।बहुत ही कम लोग ऐसे होते हैं जो अपनी या दूसरों की पीड़ा की इतनी गहराई से महसूस करते हैं कि वह सोचते है कि जैसी पीड़ा मुझे हुई है, वैसी पीड़ा किसी दूसरे को न हो।पीड़ा को बहुत गहराई से महसूस करने के कारण वह ऐसा कुछ करते भी हैं कि जैसी पीड़ा उनको किसी कारण से हुई है, वैसी पीड़ा दूसरों को न हो।ऐसे लोग मनुष्य समाज के लिए अनमोल होते है. ऐसे लोग ही समाज को पीड़ा से बचाने वाले होते हैं।राजनीतिक दल के नेता व पार्षद तो इसी बात पर राजनीति करते रह जाते हैं कि किसी को पीड़ा हुई है तो उसके लिए सरकार,शहर सरकार कितनी जिम्मेदार है। वह पीड़ा को लेकर हल्ला तो बहुत करते हैं लेकिन ऐसा कुछ नहीं करते हैं कि फिर वैसी पीड़ा किसी को न हो।

बहुत सारे ऐसे छोटे छोटे काम होते हैं जो नहीं किए जाते है तो किसी एक परिवार को उससे तकलीफ होती है, किसी बस्ती के लोगों को तकलीफ होती है। ये छोटे छोटे काम तो कोई भी कर सकता है लेकिन ज्यादातर लोग सोचते हैं कि यह काम तो निगम का है या सरकार का है।इसलिए वे किए नहीं जाते हैं और हादसे के बाद हादसे होते रहते हैं,कई परिवारों को तकलीफ होती है पर कोई सबक नहीं लेता है।कहीं पर नाले को नहीं ढके जाने पर किसी के घर के बच्चे की बहकर मौत हो जाती है,किसी गहरे खदान डूबकर युवकों की मौत हो जाती है,कहीं पर आंगनबाड़ी जाते बच्चे की गड्ढे में डूबकर मौत हो जाती है।इन तमाम लोगों को मरने के बाद हो हल्ला तो बहुत होता है। कोई निगम,कोई सरकार को और कोई प्रशासन को कोसता है। कुछ दिन जमकर राजनीति होती है,राजनीति करने वाले कुछ दिन राजनीति करके चुप हो जाते है। कोई यह नहीं सोचता है कि यह छोटा सा काम है यह काम तो हम शहर व मोहल्ले के कुछ लोग मिलकर सकते हैं।

अक्सर काम करने को कोई नहीं सोचता है क्योंकि जो घटनाएं होती है, उसकी पीड़ा को कोई गहराई से महसूस नहीं करता है। वह यह सोच ही नहीं पाता है कि हम मिलकर भी बहुत कुछ कर सकते है,हम सरकार या निगम के भरोसे क्यों रहे इस छोटे से काम के लिए।किसी मोहल्ले के घरों के पास नाला खुला हुआ है तो उस ढकने के लिए कोई लाखों रुपए नहीं लगने है, सौ पचास फर्शी पत्थर लाकर अस्थायी तौर पर नाले को ढका तो जा सकता है। सब बैठे रहे कि यह काम निगम करेगा और एक बच्चे की मौत हो गई।नकटी गांव के पास ब्लू वाटर खदान में फिर एक युवक की डूबने से मौत हो गई।वहां चेतावनी का बोर्ड लगे होने के बाद युवक नहाने पहुंच जाते हैं और उनमें कुछ अभागे लोगों की डूबने से मौत हो जाती है। सबको मालूम है कि यहां नहाने में खतरा है इसके बाद भी नहाने पहुंच जाते हैं क्योंकि इस ब्लू वाटर खदान के आसपास ऐसी व्यवस्था दस साल में नहीं की जा सकी है कि कोई गहरे खदान में नहाने के लिए जा नहीं सके।

दस साल में दस लोगों की इस खदान में डूबने से मौत हो चुकी है। किसी की मौत हो जाने के बाद कुछ दिनो तक शोरशराबा होता है।फिर सब किसी की मौत का इंतजार करते रहते हैं।नकटी गांव में पंचायत है वह भी ऐसी कोई व्यवस्था कर सकती है कि लोग उस खदान तक न जा सकें. उसका कहना है कि उसने तो कई बार प्रशासन से मांग की यहां कंटीले तार लगाए जाएं लेकिन नहीं लगाए गए।दस साल ऐसे ही गुजर गए सब मांग करते रहे कि खदान के आसपास कंटीले तार लगा दिए जाएं,जिला प्रशासन ने ध्यान नहीं दिया और दस साल में दस लोगों की मौत हो गई।पंचायत को लगा कि कम से कम यहां चेतावनी बोर्ड लगा देना चाहिए तो उसने यह काम कर दिया। चेतावनी बोर्ड लगे होने के बाद भी मौत का सिलसिला नहीं रुका है।2017 से शुरू हुआ मौत का सिलसिला अब तक जारी है।एक मौत 2017 में हुए,दूसरी 2019 में हुई,4 लोगों की मौत 2023 में हुई,2025 में दो लोगों की मौत हुई और अब 2026 में एक युवक की मौत हुई है।

जिले के लोगों ने एक युवक की मौत से सबक लिए हुए होते, एक युवक की मौत की पीड़ा को किसी ने गहराई से महसूस किया होता तो कंटीले तार लगाने का काम कराया जा सकता था,

शिष्य विशु व्ही.पी. नेगी
श्री रामकिंकर आध्यात्मिक मिशन रायपुर
मो.नं. 9425227937

Vastu Guruji
BEST PLACE FOR VASTU REMEDY

BUY NOW >
CALL 9770888888

IGKV पेपर लीक के बाद 2 परीक्षाएं रद्द:सितंबर के पहले सप्ताह में दोबारा होंगी, अब तक 6 गिरफ्तार, प्राचार्य-मास्टरमाइंड बर्खास्त

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के पेपर लीक मामले में दुर्ग के भारती कॉलेज के असिस्टेंट लेक्चरर समेत 6 आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। रायपुर के तेलीबांधा थाना क्षेत्र में सभी आरोपियों के खिलाफ **FIR** दर्ज की गई है।

वहीं, दुर्ग के भारती कॉलेज प्रबंधन ने भी मामले में कार्रवाई करते हुए लापरवाही बरतने के आरोप में प्राचार्य डॉ. एके दुबे को नौकरी से बर्खास्त कर दिया है। पेपर लीक के मास्टरमाइंड योगेश सोनकेसरिया को भी नौकरी से निकाल दिया गया है।

पेपर लीक के बाद 7 अगस्त को हुई **BSc** कृषि प्रथम वर्ष की प्लांट पैथोलॉजी परीक्षा रद्द कर दी गई है। जांच में पता चला है कि गिरफ्तार आरोपियों ने यह प्रश्न पत्र भी लीक किया था।

इससे पहले 20 अगस्त को **BSc** कृषि द्वितीय वर्ष की एंटोमोलॉजी परीक्षा रद्द की गई थी। अब दोनों परीक्षाएं सितंबर के पहले सप्ताह में दोबारा आयोजित की जाएंगी।

मास्टरमाइंड की गिरफ्तारी के बाद कुछ छात्रों ने पेपर लीक को लेकर कई दावे किए हैं। एग्रीकल्चर विषय के कुछ छात्रों ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि प्रश्नपत्र परीक्षा से कुछ घंटे पहले नहीं, बल्कि करीब एक दिन पहले ही छात्रों तक पहुंच जाता था।

छात्रों के मुताबिक, पेपर सुबह करीब 11 बजे तक उनके पास आ जाता था। दावा है कि यह मामला सिर्फ कीट विज्ञान के प्रश्नपत्र तक सीमित नहीं था। पूरे सेमेस्टर के कई विषयों के प्रश्नपत्र **PDF** के रूप में छात्रों के बीच शेयर किए जा रहे थे। एक पेपर की कीमत करीब 5 हजार रुपए तक बताई जाती थी।

दावा है कि कई छात्र मिलकर प्रश्नपत्र खरीदने के लिए पैसे जुटाते थे। हर छात्र अपनी क्षमता के मुताबिक 1-2 हजार रुपए देता था। सभी छात्रों से पैसे इकट्ठा होने के बाद प्रश्नपत्र की **PDF** खरीदी जाती थी और फिर उसे वॉट्सऐप के जरिए बाकी छात्रों के बीच भेज दिया जाता था। हालांकि, छात्रों के इन दावों की पुलिस जांच में अभी पुष्टि होना बाकी है।

कुछ छात्रों ने बताया कि उन्हें भी दो-तीन पेपर खरीदने के ऑफर मिले थे, लेकिन उन्होंने पेपर नहीं खरीदा। छात्रों के मुताबिक, एक पेपर की कीमत 1 हजार से 5 हजार रुपए तक होती थी। कुछ प्रश्नपत्र पर्सनल फोन और मैसेज के जरिए भेजे जाते थे।

थर्ड ईयर के पेपर के लिए भी छात्रों को उनके दोस्तों के जरिए कॉल किए जाते थे। इतना ही नहीं, कॉलेज के कुछ चुनिंदा और भरोसेमंद छात्रों से कहा जाता था कि वे पेपर लेकर आगे दूसरे छात्रों को बेचें और पैसे कमाएं।

बताया जा रहा है कि इस सत्र में करीब 10-11 विषयों की परीक्षाएं हो चुकी हैं। आरोप है कि इनमें से कई प्रश्नपत्र परीक्षा से पहले ही कुछ छात्रों तक पहुंच गए थे। कुछ प्रश्नपत्र बड़े स्तर पर फैल गए, उसके बाद विश्वविद्यालय ने परीक्षा रद्द की। फिलहाल, कार्रवाई उसी मामले में हुई है।

हालांकि, छात्रों का दावा है कि इससे पहले हो चुकी परीक्षाओं के प्रश्नपत्र भी परीक्षा से पहले ही कुछ छात्रों के पास पहुंच गए थे। एक अन्य छात्र के मुताबिक, परीक्षा के दौरान एक छात्र नकल की पर्ची के साथ पकड़ा गया था। उसके खिलाफ नकल का मामला बनाया जा रहा था।

किराए पर उपलब्ध है
तेलीबांधा शीतल कॉम्प्लेक्स में दुकान/ऑफिस के लिए जगह किराए पर उपलब्ध है।
संपर्क-9302222222

पुरी स्टेशन पर 20 अक्टूबर तक ट्रेनों का संचालन प्रभावित

रायपुर। पुरी जाने का प्लान बना रहे हैं तो यह खबर आपके लिए जरूरी है। ईस्ट कोस्ट रेलवे के खुर्दा रोड मंडल के पुरी स्टेशन पर प्लेटफॉर्म नंबर 5 और 6 का काम चल रहा है। इसके चलते 25 अगस्त से 20 अक्टूबर 2026 तक ट्रेनों का संचालन प्रभावित रहेगा।

यात्रियों की सुविधा और ट्रेन संचालन को ध्यान में रखते हुए रेलवे ने 12 ट्रेनों के संचालन में बदलाव किया है। इनमें 6 ट्रेनों को पुरी के बजाय मालतीपाटपुर स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट किया जाएगा। जबकि 6 ट्रेनें मालतीपाटपुर से ही शॉर्ट ओरिजिनेट होंगी। इन ट्रेनों का पुरी स्टेशन के बजाय मालतीपाटपुर में ही संचालन समाप्त होगा।

खनिज संपदा से समृद्ध छत्तीसगढ़ को सौर ऊर्जा से बनाएंगे और विकसित : सांसद बृजमोहन अग्रवाल

रायपुर।छत्तीसगढ़ सोलर वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा आयोजित दो दिवसीय 'छत्तीसगढ़ संवाद' एवं सम्मान समारोह के समापन अवसर पर रायपुर सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल शामिल हुए। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर सौर ऊर्जा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले विभिन्न स्टेकहोल्डर्स एवं संस्थाओं को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि हमारा शरीर पंचतत्वों से बना है और सूर्य ऊर्जा का सबसे बड़ा प्राकृतिक स्रोत है। ऐसे में हमें घरों, प्रतिष्ठानों और कृषि क्षेत्र में सौर ऊर्जा के उपयोग को अधिक से अधिक बढ़ावा देना चाहिए। उन्होंने कहा कि सौर ऊर्जा को अपनाने से न केवल बिजली की बचत होगी, बल्कि प्रदूषण भी कम होगा और लोगों के जीवन स्तर में सुधार आएगा।

अग्रवाल ने कहा कि कोयले पर अत्यधिक निर्भरता के कारण प्रदूषण, धूल और परिवहन जैसी समस्याएं बढ़ती हैं, जिसका असर पर्यावरण के साथ-साथ मानव स्वास्थ्य पर भी पड़ता है। ऐसे में स्वच्छ और टिकाऊ ऊर्जा के विकल्प के रूप में सौर ऊर्जा को बढ़ावा देना समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देशभर में करोड़ों घरों को सौर ऊर्जा से जोड़ने का अभियान चल रहा है। छत्तीसगढ़ ने भी लगभग 2.5 लाख सिंचाई पंपों को ऊर्जीकृत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य किया है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र की तरह छत्तीसगढ़ में भी कृषि पंपों को सौर ऊर्जा से जोड़ने की दिशा में तेजी से काम किया जाना चाहिए। आने वाले समय में अधिक से अधिक घरों और सिंचाई पंपों को सौर ऊर्जा से जोड़ने का लक्ष्य रखा जाना चाहिए।

सांसद अग्रवाल ने कहा कि वर्तमान में विद्युत क्षेत्र में करीब 10 हजार करोड़ रुपये की सब्सिडी दी जा रही है। यदि सौर ऊर्जा का विस्तार बड़े स्तर पर किया जाता है तो सब्सिडी के बोझ को कम किया जा सकता है। इसका लाभ प्रदेश की बड़ी आबादी को मिलेगा और लोगों के लिए आय के नए अवसर भी विकसित होंगे।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ कोयला, लौह अयस्क, एल्युमिनियम और चूना पत्थर जैसे खनिज संसाधनों से समृद्ध राज्य है। यदि प्रदेश को सौर ऊर्जा के क्षेत्र में भी पूरी तरह सशक्त बनाया जाए तो छत्तीसगढ़ और रायपुर देश के तेजी से विकसित होने वाले क्षेत्रों में अग्रणी स्थान हासिल कर सकते हैं।

कार्यक्रम में सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल ने आयोजन के सफल संचालन के लिए एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री संतोष मिश्रा और उनकी पूरी टीम को बधाई दी। उन्होंने विश्वास जताया कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ स्वच्छ एवं सौर ऊर्जा के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को हासिल करेगा।

इस अवसर पर विधायक श्री पुरंदर मिश्रा, **CSPDCL** के चेयरमैन भीम सिंह कंवर, **CSW** अध्यक्ष संतोष मिश्रा, राकेश खंडेलवाल, लकी जुमलानी सहित प्रदेशभर से आए सौर ऊर्जा क्षेत्र के स्टेकहोल्डर्स एवं गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

बीमारी रोकने के लिए होंगे उपाय: मच्छरों की करेंगे स्कैनिंग, ताकि पता चले किस इलाके में डेंगू-मलेरिया का खतरा

रायपुर। छत्तीसगढ़ में हर साल 20 हजार से ज्यादा लोग मलेरिया की चपेट में आते हैं और औसतन 40-50 लोगों की मौत होती है। अब बीमारी फैलने के बाद मरीज खोजने के बजाय पहले यह पता लगाने की तैयारी है कि राज्य के किस इलाके में किस बीमारी को फैलाने वाले मच्छर मौजूद हैं।

अमेरिका की एक रिसर्च यूनिवर्सिटी की टीम सभी जिलों में इलाकेवार सर्वे करेगी। मच्छरों की स्कैनिंग के लिए विशेष डिवाइस का इस्तेमाल होगा, जिससे यह पता लगाया जा सकेगा कि किस इलाके में कौन सी बीमारी फैलाने वाले मच्छर मौजूद है। अलग-अलग जिलों में मलेरिया के साथ डेंगू, फाइलेरिया, चिकनगुनिया, जीका और जापानी इंसेफलाइटिस फैलाने वाले मच्छर पाए जाते हैं। सर्वे के लिए स्वास्थ्य विभाग अमेरिका के जॉन हॉप्किन्स विवि के साथ स्वास्थ्य विभाग ने अनुबंध करेगी है। अमेरिकी विशेषज्ञ डिवाइस की मदद से मच्छर की पहचान कर यह पता लगाया जा सकता है कि वह किस बीमारी को फैला सकता है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की दो दिवसीय पार्टनर्स कंसल्टेटिव मीटिंग नवा रायपुर में हुई। इसमें स्वास्थ्य विभाग, डब्ल्यूएचओ और देश-विदेश की संस्थाओं के प्रतिनिधि शामिल हुए।

रायपुर में चेन स्नैचिंग करने वाली महिला गिरोह सक्रिय: ई-रिक्शा में सहायक संचालक के गले से चेन तोड़ी, पुलिस ने शुरू की जांच

रायपुर। राजधानी रायपुर में भीड़भाड़ वाले इलाकों और सार्वजनिक परिवहन में चेन तोड़ने वाला महिला गिरोह सक्रिय है। आरोप है कि गिरोह की महिलाओं ने समग्र शिक्षा कार्यालय में पदस्थ सहायक संचालक मंजू लता साहू के गले से चेन तोड़ ली और फरार हो गईं।

सहायक संचालक की शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अब आरोपियों की पहचान और तलाश में जुटी है।

पीड़िता मंजू लता साहू ने पुलिस को बताया कि वह जनता कॉलोनी, गुढ़ियारी में रहती हैं। 18 अगस्त को वह अपने परिचित के साथ एक्टिवा से कार्यालय जाने के लिए निकली थीं। बारिश तेज होने के कारण जेल रोड बस स्टॉप के पास उन्होंने एक्टिवा खड़ी की और ई-रिक्शा से जाने का फैसला किया।

उन्होंने ई-रिक्शा चालक से बोर्ड ऑफिस चलने को कहा। ई-रिक्शा चालक खालसा स्कूल होते हुए अंबेडकर चौक पहुंचा। यहां करीब छह महिलाएं ई-रिक्शा में सवार हो गईं। इसके बाद चालक आकाशवाणी चौक और जोगी बंगला होते हुए महिला पॉलीटेक्निक कॉलेज की ओर जाने लगा।

धक्का-मुक्की के बीच चोरी की आशंका

पीड़िता के मुताबिक, ई-रिक्शा में सवारियों की संख्या बढ़ने के बाद बैठने में काफी परेशानी हो रही थी। इसी दौरान ई-रिक्शा में बैठी महिलाओं के बीच धक्का-मुक्की भी हुई। करीब 10:05 बजे पेंशनबाड़ा हमर क्लिनिक के पास पीड़िता ई-रिक्शा से उतर गईं।

ई-रिक्शा के वहां से जाने के बाद उन्होंने अपने गले की ओर देखा तो सोने की चेन गायब थी। उन्होंने आशंका जताई कि ई-रिक्शा में सवार छह महिलाओं में से किसी ने भीड़ और धक्का-मुक्की का फायदा उठाकर उनकी करीब एक तोला वजन की सोने की चेन चोरी कर ली।

घटना की शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। पुलिस ई-रिक्शा के रूट और संबंधित स्थानों के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल सकती है।

साथ ही ई-रिक्शा चालक और घटना के दौरान उसमें सवार महिलाओं की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। मामले की जांच के बाद ही यह स्पष्ट होगा कि वारदात में किसी संगठित महिला गिरोह की भूमिका थी या नहीं।

निरीक्षण और निर्देशों के बाद भी नहीं सुधरे हालात: निगम के गोठान में ठसाठस भरी गायें, आठ मौतों के बाद बवाल

रायपुर। फुंडहर के गोठान में रोजाना गायों की मौत हो रही है, लेकिन इन मौतों से निगम अभी तक बेखबर है। निगम का दावा है कि फुंडहर के गोठान में केवल 4 गायों की मौत हुई है, जबकि रविवार को मौके पर 8 गाय मृत पाए गए। नगर निगम के नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी ने भी दावा किया है कि जब वे गोठान पहुंचे परिसर में 8 गाय मृत मिलीं।

गोठान में चारा-पानी और चिकित्सा की व्यवस्था नहीं है। दूसरी ओर नगर निगम सभी गोठानों में पर्याप्त व्यवस्था का दावा कर रहा है।

स्थानीय पार्षद रेणु जयंत साहू का दावा है कि पिछले 10 दिन में 60 से अधिक गायों की मौत हो गई है। जबकि निगम अधिकारियों को कुछ गायों की मौत की ही जानकारी है। गुरुवार को 4 गाय की मौत हुई थी। सूचना के बाद निगम के अधिकारियों ने गोठान पहुंचकर निरीक्षण किया और आवश्यक सुधार के निर्देश दिए। बावजूद इसके अब तक गोठान की स्थिति में सुधार नहीं हुआ है।

सड़कों पर मवेशी अधिक होने के चलते ही गोठानों में इनकी तादाद ज्यादा हो गई है। अब हम गोठान बढ़ाने और समस्या के समाधान के लिए स्वयंसेवी संस्थाओं के साथ बातचीत करेंगे।

-मीनल चौबे, महापौर नगर निगम

260 की क्षमता वाले गोठान में 600 से अधिक मवेशियों को रखा गया है। यहां न पर्याप्त जगह है, न चारा, न पानी और न ही चिकित्सा की व्यवस्था। 7 दिन में हालात नहीं सुधरे तो आंदोलन करेंगे।

-आकाश तिवारी, नेता प्रतिपक्ष ननि

260 की क्षमता, पर 600 गाय गोठान में, चारे में सिर्फ 15 पैकेट बैगन, 7 बोरी खली

विवाद के बाद रविवार को भास्कर की टीम फुंडहर गोठान पहुंची। यहां 3 एकड़ में गोठान बनाया गया है, जिसकी क्षमता केवल 260 की है, लेकिन मौके पर 600 से अधिक गाएं थीं। यहां शेड भी बनाया गया है, जहां बड़ी संख्या में गाएं खड़ीं थी। जैसे ही टीम शेड के भीतर पहुंची। यहां दो गाय मृत मिलीं।

आगे खुले स्थान पर पहुंचते ही वहां 6 गाय का शव पड़ा हुआ था। टीम जब गोठान के स्टॉक रूम में पहुंची तो वहां करीब 15 पैकेट बैगन और करीब 7 बोरी खली रखी हुई थी।

1 बीमारी, 1 पैकेज:विशेषज्ञ डॉक्टर जांचेंगे इलाज का वास्तविक खर्च, हार्ट ट्रांसप्लांट का खर्च घट सकता है

रायपुर। मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना से गंभीर बीमारियों का इलाज कराने वाले मरीजों के लिए अब इलाज की दरें तय होंगी। अंबेडकर अस्पताल, एम्स और डीकेएस के विशेषज्ञ डॉक्टर बीमारी की जांच, सर्जरी, दवा और उपकरणों पर आने वाले वास्तविक खर्च का आकलन कर पैकेज की दर सुझाएंगे।

इसके बाद प्रस्ताव शासन को भेजा जाएगा। मंजूरी मिलने पर अस्पताल तय पैकेज के अनुसार ही इलाज का भुगतान ले सकेंगे। अभी योजना में बीमारियों के इलाज की दरें तय नहीं हैं। इस कारण एक ही बीमारी के इलाज के लिए अलग-अलग अस्पताल अलग रकम मांगते हैं।

उदाहरण के लिए हार्ट ट्रांसप्लांट का बिल कहीं 20 लाख तो कहीं 25 लाख रुपए तक दिया जा रहा है। कैंसर और दूसरी गंभीर बीमारियों के इलाज में भी यही स्थिति है। अस्पताल के बताए खर्च के आधार पर ही योजना से राशि जारी होती है। पैकेज तय होने से इलाज की दरों में अंतर और अस्पतालों की मनमानी पर रोक लगने की उम्मीद है।

आयुष्मान भारत योजना में अधिकांश बीमारियों के इलाज के पैकेज पहले से तय हैं। यानी अस्पताल को किस इलाज के लिए कितनी राशि मिलेगी, यह निर्धारित है। लेकिन मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना में ऐसी व्यवस्था नहीं है। इस योजना से गंभीर और दुर्लभ बीमारियों के इलाज के लिए प्रति मरीज 25 लाख रुपए तक की मदद दी जाती है।

पैकेज तय करने की प्रक्रिया शुरू

शासन ने पैकेज तय करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पहले चरण में अंबेडकर अस्पताल, एम्स और डीकेएस के अलग-अलग विभागों के विशेषज्ञों से गंभीर बीमारियों की सूची मांगी गई है। इसमें ऐसी बीमारियों को शामिल किया जा रहा है, जो आयुष्मान योजना के पैकेज में नहीं हैं और जिनके इलाज में बड़ी रकम खर्च होती है।

विशेषज्ञ डॉक्टर जांच, सर्जरी, दवा, अस्पताल में भर्ती रहने और जरूरी उपकरणों पर होने वाले खर्च का आकलन कर रहे हैं। इसी आधार पर बीमारी-वार पैकेज की दर की सिफारिश की जाएगी।

हर साल 40 से 45 करोड़ खर्च

मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना के तहत गंभीर और दुर्लभ बीमारियों के इलाज के लिए पात्र मरीज को 25 लाख रुपए तक की सहायता मिलती है। सरकार इस योजना पर हर साल औसतन 40 से 45 करोड़ रुपए खर्च करती है। इसका लाभ केवल बीपीएल परिवारों तक सीमित नहीं है। तय प्रक्रिया और मंजूरी के बाद किसी भी आय वर्ग का मरीज सहायता प्राप्त कर सकता है।

आगे क्या होगा: विशेषज्ञ डॉक्टर बीमारी-वार खर्च का आकलन कर अपनी सिफारिश देंगे। इसके आधार पर प्रस्ताव शासन को भेजा जाएगा। शासन की मंजूरी के बाद इलाज के पैकेज की अंतिम दरें लागू की जाएंगी।

वास्तु गुरुजी सिकंदर राणा जी के अनुसार आज का राशिफल

मो.नं. : 9770888888

मेष। आज परिवार में सुख-शांति और आपसी सहयोग का वातावरण बना रहेगा। घर के किसी सदस्य से महत्वपूर्ण विषय पर बातचीत हो सकती है, जिसमें आपकी समझदारी काम आएगी। छोटी दूरी की यात्रा आपके लिए लाभदायक और सुखद रह सकती है। कार्यक्षेत्र में जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं, इसलिए काम को व्यवस्थित तरीके से पूरा करें।

वृषभ। आज आर्थिक स्थिरता बनाए रखना आपकी प्राथमिकता होनी चाहिए। आय के साधन सामान्य रहेंगे और पुराने निवेश से लाभ मिलने की संभावना बन सकती है। अनावश्यक खर्चों से बचकर भविष्य के लिए बचत करने पर ध्यान दें। प्रेम संबंधों में मधुरता बढ़ेगी और किसी नए रिश्ते की शुरुआत भी संभव है। जीवनसाथी या प्रिय व्यक्ति से मन की बात साझा करने का अवसर मिलेगा।

मिथुन। आज कामकाज के क्षेत्र में नए अवसर आपके सामने आ सकते हैं। किसी महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट या जिम्मेदारी की शुरुआत होने की संभावना है। सहकर्मियों का सहयोग आपके पक्ष में रहेगा और टीम के साथ मिलकर काम करने से बेहतर परिणाम मिलेंगे। नौकरीपेशा लोगों को अधिकारियों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल सकती है।

कर्क। आज मन में भावनात्मक उतार-चढ़ाव रह सकता है, इसलिए किसी भी महत्वपूर्ण निर्णय को भावनाओं में बहकर न लें। कार्यक्षेत्र में जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं और आपको धैर्य के साथ काम करना होगा। अधिकारियों या सहकर्मियों के साथ बातचीत करते समय शब्दों का चयन सावधानी से करें। आर्थिक मामलों में सामान्य स्थिति रहेगी, लेकिन अचानक खर्च सामने आ सकते हैं। परिवार के किसी सदस्य की चिंता आपको परेशान कर सकती है,

सिंह। आज आपका आत्मविश्वास मजबूत रहेगा और कार्यक्षेत्र में इसका सकारात्मक प्रभाव दिखाई देगा। आप अपने काम को बेहतर तरीके से पूरा करने में सफल रहेंगे। व्यापार से जुड़े लोगों के लिए तरक्की के नए अवसर बन सकते हैं। किसी महत्वपूर्ण सौदे या योजना पर काम आगे बढ़ सकता है। आर्थिक स्थिति मजबूत करने के लिए योजनाबद्ध तरीके से प्रयास करें। अचानक लाभ मिलने की संभावना भी बन सकती है।

कन्या। आज का दिन आपके लिए अनुकूल परिणाम लेकर आ सकता है। लंबे समय से अटका हुआ बकाया धन मिलने की संभावना है, जिससे आर्थिक स्थिति में राहत महसूस होगी। कार्यक्षेत्र में उच्च अधिकारियों से बातचीत सफल रहेगी और आपकी बात को महत्व मिल सकता है। किसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी को पूरा करने का अवसर मिलेगा। व्यापारियों को पुराने संपर्कों से लाभ प्राप्त हो सकता है।

तुला। आज आपको अपने खर्चों पर विशेष नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। आय सामान्य रहेगी, लेकिन अचानक कुछ अतिरिक्त खर्च सामने आ सकते हैं। बजट बनाकर चलना आपके लिए बेहतर रहेगा। कार्यक्षेत्र में सामान्य स्थिति बनी रहेगी और सहकर्मियों का सहयोग मिल सकता है। व्यापार में किसी नए प्रस्ताव पर निर्णय लेने से पहले उसके सभी पहलुओं पर विचार करें।

वृश्चिक। आज आपके पराक्रम और साहस में वृद्धि होगी। आप कठिन परिस्थितियों का सामना आत्मविश्वास के साथ कर पाएंगे। कार्यक्षेत्र में कोई रुका हुआ काम मित्रों या सहकर्मियों के सहयोग से पूरा हो सकता है। व्यापार में नए अवसर सामने आएंगे और पुराने संपर्क उपयोगी साबित होंगे। आर्थिक स्थिति सामान्य से बेहतर रहने की संभावना है, लेकिन बड़े निवेश से पहले विशेषज्ञ की सलाह लेना उचित रहेगा।

धनु। आज धन लाभ के नए स्रोत सामने आ सकते हैं। व्यापार में कोई नया सौदा या संपर्क आर्थिक रूप से लाभदायक साबित हो सकता है। नौकरीपेशा लोगों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिलने के साथ आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत की सराहना हो सकती है। परिवार के साथ समय अच्छा बीतेगा और घर में सुखद वातावरण बना रहेगा। किसी प्रियजन के साथ यात्रा की योजना बन सकती है। विद्यार्थियों के लिए दिन अनुकूल रहेगा और पढ़ाई में मन लगेगा।

मकर। आज चंद्रमा आपकी ही राशि में होने से व्यक्तित्व में निखार आएगा और मानसिक स्पष्टता बढ़ेगी। आप महत्वपूर्ण फैसले आत्मविश्वास के साथ ले पाएंगे। कार्यक्षेत्र में आपकी योजनाओं को अधिकारियों का समर्थन मिल सकता है। व्यापार में नई रणनीति बनाने के लिए दिन अच्छा है। आर्थिक मामलों में स्थिति मजबूत हो सकती है और धन से जुड़े किसी पुराने मामले में समाधान मिलने की संभावना है। परिवार में आपका प्रभाव बढ़ेगा और आपकी सलाह को महत्व मिलेगा।

कुंभ। आज नेटवर्किंग और टीमवर्क के लिए दिन काफी अच्छा है। कार्यक्षेत्र में नए लोगों से संपर्क बन सकता है, जो भविष्य में आपके लिए उपयोगी साबित होंगे। सहकर्मियों के साथ मिलकर काम करने से कठिन कार्य भी आसानी से पूरे हो सकते हैं। व्यापारियों को नए ग्राहकों या व्यावसायिक साझेदारों से लाभ मिलने की संभावना है। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी और भविष्य की योजनाओं पर काम शुरू करने का अच्छा समय है। किसी बड़े निवेश से पहले विशेषज्ञ की सलाह जरूर लें।

मीन।
आज पूर्णिमा का प्रभाव आपके रिश्तों और भावनाओं पर दिखाई दे सकता है। परिवार और जीवनसाथी के साथ संबंधों में गहराई आएगी। आप अपने मन की बातें आसानी से साझा कर पाएंगे, जिससे आपसी समझ मजबूत होगी। रचनात्मक कार्यों में आपका मन लगेगा और नई कल्पनाएं आपको प्रेरित करेंगी। कार्यक्षेत्र में अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिल सकता है। व्यापारियों को किसी नए विचार से लाभ मिलने की संभावना है। आर्थिक मामलों में स्थिति सामान्य रहेगी, लेकिन खर्चों पर नियंत्रण रखना जरूरी है। विद्यार्थियों के लिए रचनात्मक विषयों में सफलता के योग हैं।

रिम्स में कफ सिरप, पैरासिटामोल तक आउट ऑफ स्टॉक हुआ

सर्दी-बुखार से तप रहा शहर, रिम्स में 400 मरीज रोज पहुंच रहे, दवा खत्म

रांची। बारिश के मौसम में राजधानी में बुखार, वायरल संक्रमण, उल्टी-दस्त और पेट संबंधी बीमारियों का प्रकोप तेजी से बढ़ रहा है। इसका सीधा असर रिम्स की ओपीडी पर दिख रहा है। संस्थान के मेडिसिन और चाइल्ड ओपीडी में रोजाना 400 से अधिक मरीज पहुंच रहे हैं, जिनमें करीब 60 प्रतिशत मरीज मौसमी व वायरल बीमारियों से पीड़ित हैं। बीते 7 दिनों में ही दोनों विभागों में 2200 से अधिक मरीज पहुंचे, जिनमें लगभग 1300 वायरल की चपेट में थे।

मरीजों के भारी दबाव के बीच रिम्स के ओपीडी दवा वितरण केंद्र में जरूरी दवाओं का गंभीर संकट खड़ा हो गया है। केंद्र में एंटीबायोटिक, दर्द, एलर्जी और आंखों की दवाओं के साथ-साथ कफ सिरप और बच्चों का पैरासिटामोल ड्रॉप तक आउट ऑफ स्टॉक है। गरीब और मध्यमवर्गीय मरीज महज 10 रुपये की पर्ची पर इस उम्मीद से आते हैं कि सरकारी अस्पताल में मुफ्त दवाएं मिलेंगी। लेकिन काउंटर से दवाएं नदारद होने के कारण उन्हें निजी मेडिकल दुकानों से हजारों रुपये खर्च कर दवाएं खरीदनी पड़ रही हैं।

ओपीडी में डॉक्टर को दिखाने के बाद मरीज जब दवा वितरण केंद्र पहुंचते हैं तो पर्ची की कई दवाएं नहीं मिल रही हैं। ऐसे में मरीजों के सामने दो ही विकल्प बचते हैं दवा छोड़ दें या फिर निजी मेडिकल स्टोर से खरीदें। गरीब और दूर-दराज से इलाज कराने रिम्स आने वाले मरीजों के लिए यह अतिरिक्त आर्थिक बोझ है। कई मरीजों को यह उम्मीद रहती है कि सरकारी अस्पताल में डॉक्टर की सलाह के अनुसार जरूरी दवाएं मुफ्त मिल जाएंगी। लेकिन दवा नहीं मिलने पर उन्हें निजी दुकानों का रुख करना पड़ रहा है।

दवाओं की कमी का असर केवल ओपीडी मरीजों तक सीमित नहीं है। वार्डों में भर्ती मरीजों को भी दवाओं की उपलब्धता को लेकर परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। गंभीर मरीजों के परिजनों को भी कई बार बाहर से दवाएं और अन्य जरूरी सामान खरीदना पड़ता है। रिम्स में बड़ी संख्या में राज्य के अलग-अलग जिलों से मरीज इलाज कराने पहुंचते हैं। ऐसे में दवा वितरण व्यवस्था में कमी का असर सीधे मरीजों और उनके परिजनों पर पड़ता है।

ये 22 दवाएं रिम्स में नहीं

1. एमोक्सिसिलिन 500 एमजी 2. एमोक्सिसिलिन+क्लेवुलोनेट 625 एमजी 3. इट्राकोनाजोल 4. लेवोसेटिरिजिन 10 एमजी 5. कफ सिरप 6. मोक्सीफ्लोक्सासिन+डेक्सामेथासोन आई ड्रॉप 7. कार्बोक्सीमिथाइलसेलुलोज 0.5% 8. ओलोपटाडाइन 9. डिक्लोफेनैक 50 एमजी 10. ट्रिप्सिन+काइमोट्रिप्सिन 11. इबूप्रोफेन +पैरासिटामोल सिरप 12. पैरासिटामोल ड्रॉप 13. टिकाग्रेलर 90 एमजी 14. टोरसेमाइड 10 एमजी 15. क्लोनाजेपम 0.5 एमजी 16. एमिट्रिप्टीलिन 10 एमजी 17. पर्मेथ्रिन लोशन 18. आयरन + फोलिक एसिड 19. विटामिन-सी 20. कैल्शियम 500 एमजी 21. विटामिन डी3 ड्रॉप 22. एल्बेंडाजोल 400 एमजी।

निदेशक ने विभिन्न विभाग के हेड के साथ बैठक कर किया है रिव्यू

पहले भी यह समस्या आती रही है। इसे लेकर हाल ही में निदेशक ने विभिन्न विभाग के हेड के साथ बैठक कर इसे रिव्यू किया था। उन्होंने निर्देश दिया है कि विभाग में उपलब्ध दवा में से 10 से 20% ही खत्म होने पर तत्काल इंडेंट कर सेंट्रल स्टोर से दवा मंगाने सुनश्चित करना है, ताकि रोगियों को परेशानी न हो। **- डॉ. शिशिर कुमार, पीआरओ रिम्स**

देवघर में 4 किमी लंबी हुई कांवरियों की कतार:अंतिम सोमवारी पर पहुंचेंगे 3 लाख से अधिक कांवरिए, प्रशासन अलर्ट

देवघर। सावन की अंतिम सोमवारी आज है। इसके साथ देवघर का श्रावणी मेला अब ढलान की ओर पहुंच गया है। अंतिम सोमवारी को लेकर बाबाधाम में एक बार फिर आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा है। देवघर बाबा मंदिर से 4 किमी लंबी कांवरियों की कतार लगी हुई है।

सभी बारी-बारी से बाबा बैद्यनाथ को जल चढ़ा रहे हैं। कांवरियों की कतार रविवार आधी रात से लग चुकी थी। आज बाबा मंदिर का कपाट 3.15 बजे खुला। सरदार पंडा की पूजा होने के बाद आम श्रद्धालु के लिए 4:10 से खोल दिया गया है।

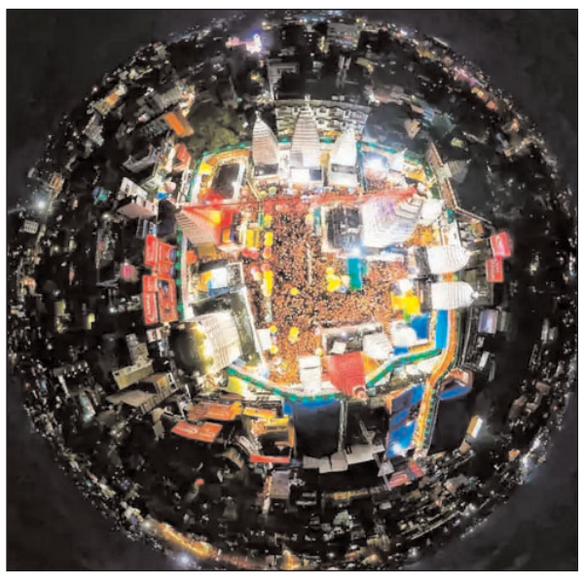

3 लाख से अधिक कांवरियों के पहुंचने की संभावना

आज अंतिम सोमवारी पर अनुमान है कि करीब तीन लाख कांवरिए बाबा बैद्यनाथ के दरबार पहुंच सकते हैं। हालांकि तीसरी सोमवारी के बाद कांवड़ियों की संख्या में कुछ कमी आई थी, जिससे प्रशासन ने राहत की सांस ली थी। अब चौथी सोमवारी पर देवघर में फिर चहल-पहल बढ़ गई है। रविवार सुबह से ही देवघर की सीमा से सटे बिहार के इलाकों में कांवड़ियों की संख्या बढ़ने लगी थी। दोपहर बाद इसका असर बाबाधाम में भी दिखने लगा। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए प्रशासन ने रविवार को ही अधिक से अधिक कांवरियों को बाबा का दर्शन कराने का प्रयास शुरू कर दिया, ताकि सोमवार को दबाव कम रखा जा सके।

डीसी-एसपी मुस्तैद, जवानों का बढ़ाया उत्साह

अंतिम सोमवारी की चुनौती को देखते हुए डीसी और एसपी लगातार ड्यूटी पर तैनात पुलिस एवं प्रशासनिक पदाधिकारियों और कर्मचारियों को दिशा-निर्देश दे रहे हैं। दोनों अधिकारियों ने संयुक्त रूप से पदाधिकारियों और कर्मियों को संबोधित कर उनमें उत्साह भरा और अंतिम सोमवारी में पूरी ताकत से ड्यूटी करने का निर्देश दिया। इसके बाद प्रशासन लगातार अधिकारियों और जवानों से बात कर रहे हैं। अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि भीड़ प्रबंधन, कतार व्यवस्था और मंदिर परिसर में सुरक्षा को लेकर किसी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए।

इलेक्ट्रिक कार में धमाके के बाद लगी आग: कोकर में कार सर्विस सेंटर में भीषण आग

रांची। सदर थाना क्षेत्र के कोकर इंडस्ट्रियल एरिया स्थित बासुदेव सर्विस सेंटर में रविवार सुबह अचानक भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और परिसर में खड़े 9 वाहनों को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में 7 गाड़ियां पूरी तरह जलकर राख हो गईं। गनीमत रही कि स्थानीय लोगों और कर्मचारियों की सूझबूझ से करीब 20 गाड़ियों को समय रहते बाहर निकाल लिया गया, जिससे बड़ा नुकसान टल गया।

सदर थाना प्रभारी कुलदीप कुमार ने बताया कि प्रारंभिक जांच के अनुसार, खुले परिसर में खड़ी एक इलेक्ट्रिक कार में अचानक हुए विस्फोट के बाद आग लगी। इसके बाद आग ने आसपास खड़ी अन्य गाड़ियों को तेजी से अपनी चपेट में ले लिया। आग लगने के सटीक तकनीकी कारणों की जांच की जा रही है। वहीं, बासुदेव टाटा मोटर्स के जीएम सी. शेखर ने शॉर्ट सर्किट की आशंका जताई है और नुकसान का आकलन किया जा रहा है।

डेढ़ घंटे बाद पहुंची फायर ब्रिगेड : स्थानीय लोगों का आरोप है कि सूचना देने के करीब डेढ़ घंटे बाद दमकल की टीम मौके पर पहुंची। इसके बाद दो दमकल गाड़ियों की मदद से कर्मियों ने कड़ी मशक्कत कर आग पर पूरी तरह काबू पाया। सर्विस सेंटर के सामने स्थित क्रशर के स्टाफ सुबोध कुमार ने बताया कि सुबह करीब 6 बजे परिसर से धुआं और तेज लपटें उठती दिखीं। इसके बाद क्रशर के कर्मचारियों ने दौड़कर आग बुझाने का प्रयास शुरू किया और जिन गाड़ियों में आग नहीं लगी थी, उन्हें धक्का देकर सुरक्षित बाहर निकाला। आग में भुरकुंडा निवासी विक्रम कुमार ने बताया कि उन्होंने दो महीने पहले अपनी कार रिपेयरिंग के लिए सर्विस सेंटर में दी थी। इस दौरान उन्होंने कई बार गाड़ी ठीक होने की जानकारी के लिए फोन किया, लेकिन कोई स्पष्ट जवाब नहीं मिला।

छात्रों का आरोप-विश्वविद्यालय प्रशासन मनमाना फैसला ले रहा: सीयूजे में जेन-जी में उबाल, मेस फीस वृद्धि व खराब खाने के खिलाफ छात्र धरने पर

रांची। सेंट्रल यूनिवर्सिटी झारखंड (सीयूजे) के चेरी मनातू कैंपस में रविवार को छात्रों का गुस्सा फूट पड़ा। मेस की लगातार बढ़ती फीस, खाने की खराब गुणवत्ता और छात्र प्रतिनिधित्व नहीं होने के विरोध में करीब 200 छात्र धरने पर बैठ गए। सुबह 9 बजे से अनिल कुमार और मृत्युंजय कुमार अनशन पर हैं। धरने पर बैठे छात्रों का कहा कि अब आश्वासन नहीं चलेगा। फीस का हिसाब, गुणवत्तापूर्ण खाना और छात्र प्रतिनिधित्व समेत अन्य मांगों पर प्रशासन को स्पष्ट निर्णय लेना होगा।

छात्रों का कहना है कि यह आंदोलन किसी व्यक्ति या संस्थान के खिलाफ नहीं, बल्कि स्टूडेंट्स के अधिकार, पारदर्शिता, जवाबदेही और विश्वविद्यालय के निर्णयों में छात्रों की भागीदारी के लिए है। छात्रों ने कहा कि सीयूजे एक्ट में स्टूडेंट यूनियन के गठन का प्रावधान है। इस कारण किसी भी बैठक में छात्र प्रतिनिधि शामिल नहीं होते है। इससे विवि प्रशासन मनमानी फैसला ले रहा है। आंदोलन का बड़ा मुद्दा हॉस्टल मेस की बढ़ती फीस है। छात्रों के मुताबिक ग्रीष्मावकाश 2025 से पहले मेस शुल्क करीब 2,621 रुपए प्रति माह था। इसमें शाम का स्नैक्स भी शामिल था। इसके बाद शुल्क बढ़कर 3,071 (यूजी हॉस्टल) और 3,377 (पीजी व पीएचडी हॉस्टल) तक पहुंच गया। छात्रों का कहना है कि अब शुल्क 3,800 रुपए प्रतिमाह करने की बात सामने आई है।

खास बात यह है कि इस शुल्क में शाम का स्नैक्स भी शामिल नहीं बताया जा रहा है। छात्रों ने सवाल उठाया कि शुल्क में बढ़ोतरी का आधार क्या है। खाने की लागत कितनी आती है और एजेंसी को ?कितना भुगतान किया जाता है। उन्होंने इसे सार्वजनिक करने की मांग की।

सुबह से चल रहे धरने के बीच छात्रों से बातचीत के लिए वार्डन सुभाष कुमार बैठा, एसोसिएट डीएसडब्ल्यू शैलेंद्र कुमार और चीफ प्रॉक्टर अमरेंद्र कुमार पहुंचे।

रांची-बेंगलुरु उड़ान 5 घंटे लेट:फ्लाइट में यात्री की तबीयत बिगड़ी, ऑनबोर्ड ऑक्सीजन देने के बाद घर भेजा गया

रांची। एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान संख्या ढ्ढङ्ग-1239 में रविवार को सफर के दौरान एक यात्री को अचानक सांस लेने में गंभीर परेशानी होने लगी। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए ऑपरेटिंग क्रू ने तत्परता दिखाई और तुरंत यात्री को ऑनबोर्ड ऑक्सीजन उपलब्ध कराई। समय पर ऑक्सीजन मिलने से यात्री की हालत स्थिर हो गई। विमान के रांची लैंड करने के बाद जरूरी औपचारिकताएं पूरी कर यात्री को सुरक्षित घर भेज दिया गया।

शेड्यूल के मुताबिक, बेंगलुरु से सुबह 6:30 बजे उड़ान भरकर यह विमान सुबह करीब 8:35 बजे रांची पहुंचा था। रांची से इसे सुबह 9:35 बजे वापस बेंगलुरु के लिए उड़ान भरनी थी, लेकिन सुरक्षा प्रक्रिया पूरी होने के बाद विमान दोपहर 1:51 बजे (13:51 बजे) रवाना हो सका। दरअसल, यात्री को दी गई ऑक्सीजन के बाद विमान में इस्तेमाल हो चुकी ऑक्सीजन बोतल को बदलना अनिवार्य था। सुरक्षा मानकों के तहत दिल्ली से नई ऑक्सीजन बोतलें मंगाई गईं और उड़ान से जुड़ी सभी जरूरी तकनीकी व सुरक्षा प्रक्रियाएं पूरी की गईं। करीब पांच घंटे की इस देरी के कारण यात्रियों को एयरपोर्ट पर लंबा इंतजार करना पड़ा और वे नए समय को लेकर पूछताछ करते रहे। एयरलाइन प्रबंधन ने स्पष्ट किया कि उड़ान में यह देरी किसी तकनीकी खराबी के कारण नहीं, बल्कि यात्री की सुरक्षा और विमानन से जुड़े कड़े सुरक्षा मानकों को पूरा करने की वजह से हुई।

सोडूको प्रश्न (उत्तर अगले अंक में प्रकाशित होगा)

			8					
4				1	5		3	
	2	9		4		5	1	8
	4					1	2	
			6		2			
	3	2					9	
6	9	3		5		8	7	
	5		4	8				1
					3			

पिछले अंक का उत्तर

7	9	5	3	2	8	4	6	1
8	6	4	9	7	1	3	2	5
2	3	1	5	4	6	9	7	8
1	2	3	7	5	4	6	8	9
6	4	9	8	1	3	7	5	2
5	7	8	6	9	2	1	4	3
4	8	7	2	3	9	5	1	6
3	1	2	4	6	5	8	9	7
9	5	6	1	8	7	2	3	4

चौखट पर हमारी
तुम्हारी
आने की आहट के
इशारे पास आए हैं।
मुश्किलों के बाद
आये सही वो
मंज़र और नज़ारे पास
आए हैं।।
ख्यालों से नहीं जाते
निकाले चर्चे समायत
के,
कि गिरते संभलते हम
खुद ही खुद में हारे पास
आए हैं।।

रांची में 27 अगस्त को भारी बारिश की चेतावनी: बंगाल की खाड़ी में बना लो-प्रेशर सिस्टम

रांची। उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और उससे सटे इलाकों के ऊपर लो प्रेशर एरिया बनने की वजह से झारखंड में एक बार फिर मानसून पूरी तरह सक्रिय होने जा रहा है। मौसम विज्ञान केंद्र रांची के अनुसार अगले एक सप्ताह तक पूरे राज्य में बादल छाए रहेंगे और अधिकांश हिस्सों में हल्के से मध्यम दर्जे की वर्षा होगी। लेकिन, 24 से 27 अगस्त के बीच राज्य के अधिकतर हिस्सों में भारी बारिश, गर्जन के साथ वज्रपात का यलो अलर्ट जारी किया गया है। इस दौरान 27 अगस्त को रांची में भारी बारिश की चेतावनी दी गई है।

ऐसा रहेगा अगले 6 दिन मौसम

24 अगस्त को उत्तर-पश्चिमी (पलामू, गढ़वा, लातेहार), दक्षिण-पश्चिमी (गुमला, सिमडेगा, प. सिंहभूम) और मध्य जिलों (लोहरदगा, खूंटी) में कहीं-कहीं भारी बारिश की संभावना। अन्य क्षेत्रों में हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश होगी।

महिला हॉकी वर्ल्डकप के सेमीफाइनल में नहीं पहुंची टीम इंडिया: ऑस्ट्रेलिया से मैच ड्रॉ; आखिरी 5 मिनट में गोलकीपर बाहर बुलाया

एम्सटेलवीन। भारतीय महिला हॉकी टीम वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में नहीं पहुंच सकी है। उसे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जीत की जरूरत थी, लेकिन मैच 0-0 से ड्रॉ रहा और ऑस्ट्रेलिया टॉप-4 में पहुंच गई।

एमस्टेलवीन के वैगनर हॉकी स्टेडियम में भारतीय कोच ने आखिरी 5 मिनट के लिए गोलकीपर को भी बाहर बुला लिया था। ताकि, गोल के मौके बनाए जा सके। लेकिन, गोल नहीं आया।

भारत लगातार तीसरे मैच में गोल नहीं कर सका है। उसे पिछले मुकाबले में नीदरलैंड ने 0-2 से हराया। जबकि, इंग्लैंड के खिलाफ मुकाबला गोलरहित ड्रॉ रहा था।

भारतीय टीम की ओर से पिछला गोल साउथ अफ्रीका के खिलाफ 18 अगस्त के मैच में हुआ था। उस में इंडिया 6-1 से जीत हासिल की थी।

48वें मिनट में भारत के पास फील्ड गोल करने का अच्छा मौका था। लेकिन, तीन खिलाड़ियों के बीच कन्फ्यूजन के कारण गोल नहीं हुआ।

यहां कप्तान सलीमा टेटे ने दाएं छोर पर बेहतरीन मूव बनाया और बॉल को लेकर तेजी से आगे बढ़ी। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया की मिडफील्ड से क्रॉस भी दिया।

डी के अंदर नवनीत, साक्षी और लालरेमसियामी एक-दूसरे के लिए गेंद छोड़ती रहीं। इस तालमेल की कमी के कारण भारत ने बढ़त का अच्छा मौका गंवाया।

ऑस्ट्रेलिया ने पेनल्टी पर गोल किया। लेकिन, इसे डिस-अलाउड कर दिया गया था। यहां पर भारत की डी के अंदर ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी के शॉर्ट को डेंजर प्ले माना गया था।

40वें मिनट में ऑस्ट्रेलिया के हमले के दौरान केरशॉ का शॉट शिल्पी के शरीर के ऊपरी हिस्से पर लगा और डिफ्लेक्ट होकर गोल में चला गया। डी के अंदर घुटने के ऊपर की बॉल को डेंजर प्ले दिया जाता है।

इस मैच में भारत का डिफेंस शानदार रहा। इसमें ऑस्ट्रेलियाई टीम को पेनल्टी कॉर्नर के 8 मौके मिले। इन सभी को भारतीय डिफेंस ने नाकाम कर दिया।

अगर भारतीय टीम यह मैच जीत लेती, तो सेमीफाइनल में पहुंच जाती। क्योंकि, इससे पहले नीदरलैंड ने चीन को 4-1 हरा दिया था।

इस ड्रॉ के बाद भारत, ऑस्ट्रेलिया और चीन के एक समान 2-2 अंक रहे। गोल अंतर में भी भारत और ऑस्ट्रेलिया बराबरी पर रहे। लेकिन ऑस्ट्रेलियाई ज्यादा गोल करने की वजह से टॉप-4 में पहुंची।

दोनों टीमों का स्क्वॉड:

भारत: सलीमा टेटे (कप्तान), इशिका चौधरी, निक्की प्रधान, बिचु देवी खरिबाम (गोलकीपर), सविता (गोलकीपर), शिल्पी दाबस, लालरेमसियामी, दीपिका सोरेंग, बलजीत कौर, इशिका, ज्योति, नवनीत कौर, सुशीला चानू पुखरामबम, सुनेलिता टोप्पो, नेहा, रुताजा दादासो पिसाल, ललथंतलुआंगी, साक्षी राणा, ब्यूटी डुंग डुंग, दीपिका।

ऑस्ट्रेलिया: ग्रेस स्टीवर्ट (कप्तान), क्लेयर कोलविल, मॉर्गन मैथिसन, एमी लॉटन, ग्रेस यंग, सारा बायर्न्स, अलीशा पावर (गोलकीपर), अबिगेल विल्सन, एलिस अर्नीट, मकायला जोन्स, स्टेफनी केरशॉ, कैटलिन नोब्स, कोर्टनी शॉनेल, लूसी शर्मन, अलाना कवानाघ, जोसेलिन बार्टम (गोलकीपर), कैरी सोमरविल, टैटम स्टीवर्ट, ओलिविया डाउन्स, मारियाह विलियम्स, नीसा फ्लिन।

बिजनेस न्यूज

भारतीय शेयर बाजार: सेंसेक्स में 100 अंक की तेजी, निफ्टी भी 50 अंक चढ़ा

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार में 24 अगस्त 2026 को कारोबार की शुरुआत तेजी के साथ हुई। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स करीब 100 अंक चढ़कर 77,600 के स्तर पर पहुंच गया। वहीं निफ्टी में भी लगभग 50 अंकों की बढ़त दर्ज की गई और यह 24,300 के आसपास कारोबार करता नजर आया। बाजार में बैंकिंग और आईटी कंपनियों के शेयरों में खरीदारी का रुझान देखने को मिला, जिससे प्रमुख सूचकांकों को सहारा मिला।

निवेशकों की नजर इस सप्ताह बाजार में आने वाले नए आईपीओ पर भी बनी हुई है। 24 अगस्त से तीन प्रमुख आईपीओ—सिम्बायोटेक फार्मालैब, हाई-टेक इंजीनियर्स और स्काईवेज एयर सर्विसेज—में बोली लगाने का मौका शुरू हुआ है। उपलब्ध बाजार रिपोर्टों के अनुसार, सिम्बायोटेक फार्मालैब आईपीओ के जरिए करीब 1,757 करोड़ रुपये जुटाने की योजना है। वहीं हाई-टेक इंजीनियर्स का इश्यू करीब 135.73 करोड़ रुपये और स्काईवेज एयर सर्विसेज का आईपीओ 582.80 करोड़ रुपये का है।

सिम्बायोटेक फार्मालैब और हाई-टेक इंजीनियर्स के आईपीओ भी 24 अगस्त से 27 अगस्त तक खुले रहेंगे। स्काईवेज एयर सर्विसेज का इश्यू भी 24 से 27 अगस्त तक सब्सक्रिप्शन के लिए उपलब्ध रहेगा। इसके बाद आने वाले दिनों में अन्य कंपनियों के आईपीओ भी बाजार में दस्तक देंगे, जिससे प्राथमिक बाजार में गतिविधियां तेज रहने की उम्मीद है।

सोना 1,983 बढ़कर 1.63 लाख पर पहुंचा: इस महीने 20 हजार महंगा हो चुका, चांदी आज 297 गिरकर 2.46 लाख आई

सोने की कीमतों में 24 अगस्त को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 1,983 रुपए बढ़कर 1.63 लाख रुपए हो गया है। वहीं एक किलो चांदी की कीमत 297 रुपए कम होकर 2.46 लाख रुपए आ गई।

इस महीने यानी अगस्त में 24 दिन में सोना 20 हजार और चांदी 28 हजार रुपए महंगी हो चुकी है। एक्सपर्ट्स के अनुसार, सोना इस साल के आखिर तक 1 लाख 70 हजार रुपए तक जा सकता है।

सोना इस साल ?30 हजार महंगा हो चुका

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 30 हजार रुपए महंगा हो चुका है। 31 दिसंबर 2025 को 10द्द सोना 1.33 लाख रुपए पर था, जो अब 1.63 लाख रुपए पर पहुंच गया है।

वहीं, चांदी 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.46 लाख रुपए पर पहुंच गई है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई भी बनाया था।

कोटक सिक्युरिटीज के सीनियर वीपी एंड कमोडिटी रिसर्च हेड अनिंद्य बनर्जी कहते हैं कि सोने को आम निवेशकों के साथ ही दुनियाभर के केंद्रीय बैंकों जैसे आरबीआई का भी सपोर्ट हासिल है, जो लगातार सोना खरीद रहे हैं।

आगे मुश्किल हालात में भी सोने में तेजी बनी रहेगी। यदि हालात सुधरे तो चांदी में भी उछाल दिख सकता है। अभी जो भावी हालात नजर आ रहे हैं, उसके मुताबिक दिसंबर तक सोने की कीमत 1.70 लाख रुपए तक पहुंच सकती है।

बैडमिंटन वर्ल्ड चैंपियनशिप- गिकेल-डेलफिन गोल्ड जीतने वाली पहली फ्रांसीसी जोड़ी: टॉप सीड चीनी जोड़ी को हराया

नई दिल्ली। फ्रांस के थॉम गिकेल और डेलफिन डेलरू बैडमिंटन वर्ल्ड चैंपियनशिप के मिक्स्ड डबल्स का खिताब जीत लिया है। गिकेल-डेलफिन की जोड़ी इस चैंपियनशिप का गोल्ड जीतने वाली फ्रांस की पहली जोड़ी है।

इस 5वीं सीड जोड़ी ने रविवार को नई दिल्ली के इंदिरा गांधी स्टेडियम में खेले गए फाइनल में टॉप सीड फेंग यान झे और हुआंग डोंग पिंग की जोड़ी को 22-20, 19-21, 21-15 से हराया। यह मैच एक घंटे 18 मिनट तक चला।

फ्रांस के एलेक्स लानियर ने जापान के कोडाई नाराओका को हराकर मेंस सिंगल्स का खिताब जीता। कोरिया की वर्ल्ड नंबर-1 एन से यंग ने विमेंस सिंगल्स का टाइटल दूसरी बार अपने नाम किया।

BWF की वेबसाइट के मुताबिक, डेलरू ने कहा, 'बहुत भावनाएं हैं। फ्रांस के लिए पहला गोल्ड जीतकर हम बहुत खुश और बेहद गर्व महसूस कर रहे हैं।'

उन्होंने कहा- 'यह शानदार मैच था। दोनों जोड़ियों ने बहुत अच्छा खेला और हमें जीत के लिए काफी कोशिश करनी पड़ी। पहली बार पोडियम पर राष्ट्रगान सुनना शानदार है।'

साउथ कोरिया ने चीनी जोड़ी को हराया

विमेंस डबल्स में साउथ कोरिया की बेक हा ना और ली सो ही ने चीन की टॉप सीड लियू शेंग शु और टैन निंग को 21-15, 21-15 से हराया।

चीन की जोड़ी ने सेमीफाइनल मुकाबले में भारत की त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी को हराया था।

फ्रांस के एलेक्स लानियर ने मेंस सिंगल्स ने इतिहास रचा है। वे मेंस सिंगल्स का वर्ल्ड टाइटल जीतने वाले पहले फ्रांसीसी खिलाड़ी बने। उन्होंने फाइनल में जापान के कोडाई नाराओका को 21-11, 21-11 से 50 मिनट में हराया।

लानियर वर्ल्ड चैंपियनशिप के मेंस सिंगल्स फाइनल में पहुंचने वाले फ्रांस के पहले खिलाड़ी हैं।

लानियर वर्ल्ड चैंपियनशिप के मेंस सिंगल्स फाइनल में पहुंचने वाले फ्रांस के पहले खिलाड़ी हैं।

विमेंस सिंगल्स फाइनल में यामागुची हारीं

विमेंस सिंगल्स के फाइनल में डिफेंडिंग चैंपियन जापान की अकाने यामागुची हार गई हैं। उन्हें साउथ कोरिया की एन से यंग ने 21-17, 21-14 से हराया।

नेशनल थाई बॉक्सिंग: 18 राज्यों के टूर्नामेंट में छत्तीसगढ़ की बेटियों ने झटके 6 गोल्ड

रायपुर। महाराष्ट्र के नांदेड में आयोजित 17वीं नेशनल थाई बॉक्सिंग चैंपियनशिप में छत्तीसगढ़ की बालिका खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 6 गोल्ड सहित कुल 7 मेडल जीते।

21 से 23 अगस्त तक गुरु गोविंद सिंह इंडोर स्टेडियम में हुए टूर्नामेंट में 18 राज्यों के करीब 450 खिलाड़ी और अधिकारी शामिल हुए। छत्तीसगढ़ को टीम रैंकिंग में पांचवां स्थान मिला।

रायपुर की मानसी तांडी और पिंकी गुप्ता ने गोल्ड जीता। वहीं, एकलव्य खेल परिसर जावंगा-गीदम, दंतेवाड़ा की लच्छी कोवासी, राजकुमारी, सोमारी कवासी और रामे कवासी ने गोल्ड अपने नाम किया। सुनीता को ब्रॉन्ज मेडल से संतोष करना पड़ा। जावंगा-गीदम की खिलाड़ियों ने अकेले 4 गोल्ड और 1 ब्रॉन्ज सहित सर्वाधिक 5 मेडल हासिल किए। टूर्नामेंट में महाराष्ट्र पहले, तमिलनाडु दूसरे और तेलंगाना तीसरे स्थान पर रहा। दंतेवाड़ा की कोच टिकेश्वरी साहू ने फीमेल टेक्निकल पैनल की जिम्मेदारी निभाई। दुर्ग के विक्की भारती और करण चेलक ने राष्ट्रीय निर्णायक परीक्षा भी उत्तीर्ण की।

मेंस हॉकी वर्ल्डकप- इंडिया Vs अर्जेंटीना: सेमीफाइनल के लिए भारत को बड़ी जीत चाहिए; इंग्लैंड का बड़े अंतर से हारना भी जरूरी

एम्सटेलवीन। मेंस हॉकी वर्ल्ड कप में टीम इंडिया करो या मरो के मुकाबले में आज अर्जेंटीना के सामने होगी। सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए टीम इंडिया को बड़ी जीत दर्ज करनी होगी। साथ ही उम्मीद करनी होगी कि इसके बाद होने वाले मुकाबले में नीदरलैंड, इंग्लैंड को बड़े अंतर से हरा दे।

पूल-**E** का यह मुकाबला नीदरलैंड के एम्सटेलवीन में शाम 6:15 बजे शुरु होगा। ग्रुप में नीदरलैंड 6 अंक के साथ टॉप पर है और सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई कर चुका है। इंग्लैंड और अर्जेंटीना के 3-3 अंक हैं, जबकि भारत बिना अंक के चौथे स्थान पर है।

इस स्थिति में भारत, इंग्लैंड और अर्जेंटीना के 3-3 अंक हो जाएंगे और बात गोल डिफरेंस पर आएगी। भारत का गोल डिफरेंस -4 है, जबकि अर्जेंटीना और इंग्लैंड का 0 है।

अगर भारत 2-0 से जीतता है, इंग्लैंड को 0-3 से हारना होगा। अगर भारत 4-1 से जीतता है, तो इंग्लैंड को कम से कम 0-2 से हारना होगा।

यानी हर स्थिति में दोनों मैचों में गोल का डिफरेंस 5 होना चाहिए। ऐसा होने पर भारत, इंग्लैंड और अर्जेंटीना को गोल डिफरेंस में पीछे छोड़कर सेमीफाइनल में पहुंच जाएगा।

अर्जेंटीना ने इंग्लैंड को हराकर भारत की उम्मीदें जगाईं

अर्जेंटीना ने पिछले मुकाबले में इंग्लैंड को 3-1 से हराया था। इस जीत के बाद उसके 3 अंक हो गए। इससे भारत के लिए सेमीफाइनल में पहुंचने का चांस बना है।

रिंकू सिंह ने 414.29 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए: यूपी प्रीमियर लीग में सिर्फ 7 गेंदों में 29 रन की पारी खेली, मेरठ की लगातार छठी जीत

लखनऊ के इकाना क्रिकेट स्टेडियम में सोमवार को रिंकू सिंह ने 414.29 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 7 गेंदों पर 29 रन बनाए। मेरठ मावेरिक्स के कप्तान रिंकू ने गोरखपुर लायंस के खिलाफ अपनी पारी में 2 चौके और 3 छक्के लगाए।

उनकी इस पारी की मदद से मेरठ ने यूपी टी-20 लीग के 16वें मैच में गोरखपुर को 10 विकेट से हरा दिया।

8-8 ओवर का मैच खेला गया

बारिश के कारण मैच 8-8 ओवर का कर दिया गया था। गोरखपुर लायंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 8 ओवर में 6 विकेट पर 91 रन बनाए। जवाब में मेरठ मावेरिक्स ने 6.4 ओवर में बिना विकेट गंवाए 92 रन बनाकर मैच जीत लिया।

यह मेरठ मावेरिक्स की इस सीजन में लगातार छठी जीत है। टीम 12 अंक के साथ पॉइंट्स टेबल में पहले नंबर पर है। वहीं, गोरखपुर लायंस की 6 मैचों में यह चौथी हार है।

जीशान ने 2 ओवर में 4 विकेट लिए

मेरठ ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। गोरखपुर के ओपनर अभय प्रताप सिंह ने 16 गेंदों पर 33 रन बनाए। उन्होंने 4 चौके और 2 छक्के लगाए।

मेरठ के जीशान अंसारी ने 2 ओवर में सिर्फ 10 रन देकर 4 विकेट लिए। वे प्लेयर ऑफ द मैच भी रहे।

रिंकू के अलावा स्वास्तिक ने बनाए 44 रन

रिंकू सिंह के अलावा मेरठ मावेरिक्स की ओर से स्वास्तिक चिकारा ने नाबाद 44 रन बनाए। 92 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी मेरठ ने शुरुआत से ही तेज बल्लेबाजी की। स्वास्तिक ने 24 गेंदों की पारी में 4 चौके और 3 छक्के लगाए। अक्षय दुबे 9 गेंदों पर 13 रन बनाकर रिटायर हर्ट हुए।

स्वास्तिक सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज

स्वास्तिक चिकारा यूपी टी20 लीग में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। उन्होंने 6 मैचों में 229 रन बनाए हैं। करन शर्मा 5 मैचों में 186 रन के साथ दूसरे नंबर पर हैं।

गेंदबाजों की लिस्ट में जीशान अंसारी 14 विकेट के साथ पहले नंबर पर हैं। अभिनंदन सिंह 13 विकेट लेकर दूसरे नंबर पर हैं।

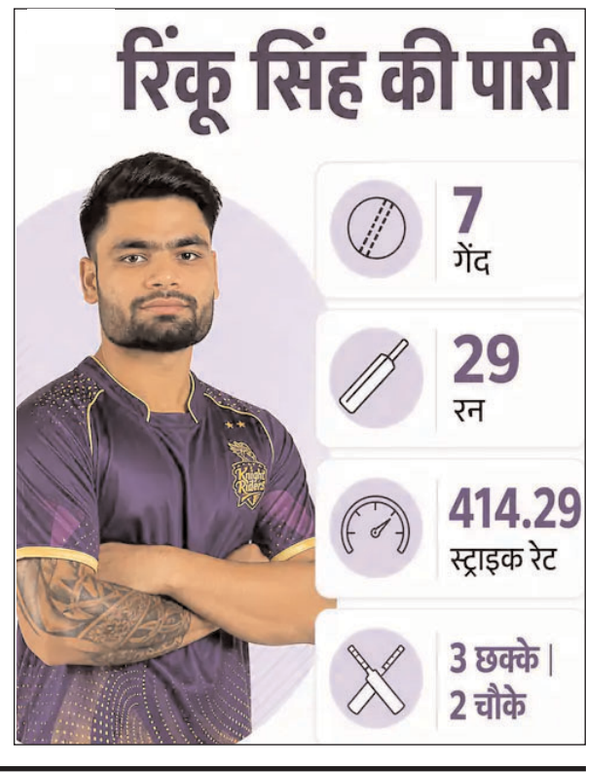

तस्वीरों ने ताजा कीं मुख्यमंत्री विष्णुदेवसाय की पुरानी यादें

रायपुर। तस्वीरें बीते हुए समय को वर्तमान से जोड़ती हैं। कभी वे इतिहास का दस्तावेज बनती हैं तो कभी जीवन के भूले-बिसरे पलों को फिर से जीवंत कर देती हैं। राजधानी रायपुर में आज कुछ ऐसा ही दृश्य देखने को मिला, जब मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अपनी वर्षों पुरानी तस्वीरों के माध्यम से सार्वजनिक जीवन के लंबे सफर को एक बार फिर जिया। कहीं पहली बार विधायक बनने की स्मृतियां थीं, तो कहीं गांव, खेत और मिट्टी से जुड़े जीवन की झलक। इस दौरान मुख्यमंत्री का एक अलग अंदाज भी देखने को मिला। उन्होंने स्वयं कैमरा संभाला और एक फोटो पत्रकार की तस्वीर खींचकर इस अवसर को यादगार बना दिया।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज रायपुर प्रेस क्लब द्वारा विश्व फोटोग्राफी दिवस के अवसर पर आयोजित पांच दिवसीय फोटो जर्नलिस्ट फेस्ट 'दृश्य संवाद 2026' के समापन समारोह में शामिल हुए। 19 अगस्त से आयोजित इस फेस्ट में मुख्यमंत्री ने फोटो प्रदर्शनी का अवलोकन किया और फोटो पत्रकारों तथा ओपन कैटेगरी के प्रतिभागियों द्वारा खींची गई तस्वीरों की सराहना की।

प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने जब अपने राजनीतिक और सार्वजनिक जीवन से जुड़ी पुरानी तस्वीरें देखीं तो उनके साथ जुड़ी अनेक स्मृतियां भी ताजा हो गईं। वर्षों पुराने चित्रों को देखते हुए उन्होंने अपने साथ मौजूद लोगों से कई रोचक संस्मरण साझा किए। अपनी पहली बार विधायक बनने के समय की एक तस्वीर देखकर मुख्यमंत्री ने बताया कि उस समय उन्होंने विशेष रूप से सफारी सूट सिलवाया था। इस छोटे से संस्मरण ने वहां मौजूद लोगों के बीच सहज और आत्मीय माहौल बना दिया। प्रदर्शनी में मुख्यमंत्री साय के ग्रामीण जीवन और खेती-किसानी से जुड़ी तस्वीरें भी प्रदर्शित की गई थीं। हल चलाते हुए अपनी तस्वीर देखकर उन्होंने खेती के दिनों को याद किया।

महान क्रांतिकारी शिवराम हरि राजगुरु की जयंती पर वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने किया सादर नमन

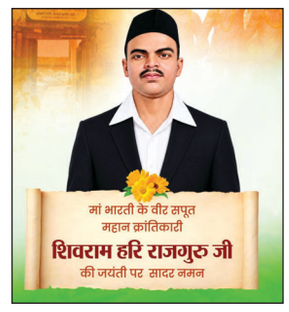

रायपुर। छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी ने मां भारती के वीर सपूत एवं महान क्रांतिकारी शिवराम हरि राजगुरु जी की जयंती पर उन्हें सादर नमन करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की।

वित्त मंत्री चौधरी ने कहा कि राजगुरु जी ने देश की स्वतंत्रता के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। उनका साहस, राष्ट्रभक्ति और अदम्य बलिदान भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में सदैव स्वर्ण अक्षरों में अंकित रहेगा।उन्होंने कहा कि राजगुरु जी ने भगत सिंह और सुखदेव जैसे क्रांतिकारियों के साथ मिलकर ब्रिटिश शासन के विरुद्ध संघर्ष किया। देश की आजादी के लिए उनका सर्वोच्च बलिदान युवाओं में राष्ट्रभक्ति और देशसेवा की भावना जागृत करने वाला है।

ओपी चौधरी ने कहा कि राजगुरु जी का जीवन हमें राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए साहस, त्याग और समर्पण के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने की प्रेरणा देता है। स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान के कारण ही आज हम स्वतंत्र भारत में सांस ले रहे हैं। वित्त मंत्री ने महान क्रांतिकारी शिवराम हरि राजगुरु जी की जयंती पर उन्हें नमन करते हुए कहा कि उनका त्याग और राष्ट्रप्रेम आने वाली पीढ़ियों को सदैव प्रेरित करता रहेगा।

आधी रात बाढ़ में फंसी 4 जिंदगियां, देवभोग पुलिस और स्ष्ठऋऋ ने चलाया साहसिक रेस्क्यू ऑपरेशन

गरियाबंद। देवभोग थाना क्षेत्र के टिकरापारा नाला में अचानक बाढ़ आने से चार लोग फंस गए। देर रात बाढ़ के बीच फंसे लोगों की सूचना मिलते ही डायल-112 और देवभोग थाना पुलिस ने बिना देर किए मोर्चा संभाला। हालात गंभीर होने पर गरियाबंद स्ष्ठऋऋ की टीम को भी तत्काल मौके पर बुलाया गया।

जानकारी के मुताबिक टिकरापारा नाला तेल नदी से कटकर बने क्षेत्र में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हुई थी। इसी दौरान ग्रामीणों ने डायल-112 के माध्यम से चार लोगों के बाढ़ में फंसे होने की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही देवभोग पुलिस टीम तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना हुई।

मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने हालात का जायजा लिया। पानी का तेज बहाव और बाढ़ की गंभीर स्थिति को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों को तत्काल जानकारी दी गई। इसके बाद स्ष्ठऋऋ गरियाबंद की टीम को मौके पर बुलाया गया।

पुलिस और स्ष्ठऋऋ की टीम ने मिलकर शुरू किया रेस्क्यू ऑपरेशन। चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों और अंधेरी रात के बीच टीम लगातार प्रयास करती रही। आखिरकार करीब रात्रि 2 बजे बाढ़ में फंसे चारों लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

रेस्क्यू किए गए लोग

1. त्रिनाथ मरकाम, पिता चित्रांग मरकाम, उम्र 45 वर्ष
2. बलभद्र मरकाम, पिता चित्रांग मरकाम, उम्र 42 वर्ष
3. दुबनी बाई मरकाम, पति त्रिनाथ मरकाम, उम्र 30 वर्ष
4. जयमनी, पति बलभद्र मरकाम, उम्र 28 वर्ष

चारों टिकरापारा, थाना देवभोग, जिला गरियाबंद के निवासी हैं।

डायल-112 से मिली सूचना पर देवभोग पुलिस की तत्काल कार्रवाई और स्ष्ठऋऋ टीम के साथ बेहतर समन्वय के चलते चारों लोगों को समय रहते सुरक्षित बचा लिया गया। आधी रात चले इस रेस्क्यू ऑपरेशन में पुलिस और स्ष्ठऋऋ की तत्परता ने चार जिंदगियों को सुरक्षित बचाने में अहम भूमिका निभाई।

भूतेश्वरनाथ धाम में गूंजी सेवा की मिसाल

गरियाबंद। सावन के अंतिम रविवार को गरियाबंद के मौरदा स्थित विश्व प्रसिद्ध एवं विश्व के सबसे बड़े प्राकृतिक शिवलिंग भूतेश्वरनाथ महादेव के पावन धाम में आस्था का सैलाब उमड़ा। हजारों की संख्या में श्रद्धालु और कांवड़िये बाबा के दर्शन और जलाभिषेक के लिए पहुंचे। पूरे परिसर में हर-हर महादेव के जयकारों से माहौल भक्तिमय बना रहा।

इसी अवसर पर क्लोज फ्रेंड ग्रुप मॉर्निंग क्लब, रायपुर के तत्वावधान में भूतेश्वरनाथ धाम में भंडारे का आयोजन किया गया। क्लब के सदस्यों ने श्रद्धालुओं को प्रसाद एवं भोजन वितरित कर सेवा कार्य किया। इसके साथ ही सभी सदस्यों ने भगवान भूतेश्वरनाथ महादेव का जलाभिषेक कर विधिवत पूजा-अर्चना की और प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की।

क्लब से जुड़े अमोल गरुड़ी, परमांसद सिंह, मंगलेश्वर सिंह, नितिन पांडे, संतोष सिंह, संतोष यादव, मार्तण्ड सिंह, अनुराग, सुजीत कसलेवाल, तागेशकुमार और मनोज झा सहित अन्य सदस्यों ने भंडारे में अपनी सहभागिता निभाई।

अमोल गरुड़ी ने कहा कि सावन के अंतिम रविवार को भूतेश्वरनाथ महादेव की सेवा करने का अवसर मिलना पूरे ग्रुप के लिए सौभाग्य की बात है। बाबा के दरबार में आने वाले श्रद्धालुओं की सेवा करना ही हमारे लिए सबसे बड़ा पुण्य है। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी ग्रुप सामाजिक और धार्मिक सेवा के ऐसे आयोजनों में बढ़-चढ़कर सहभागिता करता रहेगा।

नितिन पांडे ने कहा कि भूतेश्वरनाथ धाम में सावन के अंतिम रविवार को जिस तरह हजारों श्रद्धालु और कांवड़िये पहुंचे, वह अद्भुत आस्था का प्रतीक है।

HOTEL JK RAJ REGENCY
Room Available
Party Decorate Room
& Single, Double,
Triple Occupancy Room
Behind Jairam Complex,
M.G. Road, Raipur 492001

VRINDAVAN
THE AUTHENTIC TASTE OF CHAAT
The Wait Is Almost Over
Now Vrindavan's Most
Appatizing Chaats & More
NOW AVAILABLE IN RAIPUR
A-Block, Sheetal Complex, Infront of Lake Marine Drive, Raipur (C.G.)

FM LUXURY
PREMIUM WHOLESALER
मोरबी के रेट में
टाइल्स का फैक्ट्री डिस्प्ले सेंटर
EXPERIENCE PERFECTION AT
NEW HEIGHTS
Opp. Colors Mall, Pachpedi Naka, Tikrapara, Raipur, Chhattisgarh 492001
+91 99070 43986, 94255 60586

Vastu Guruji
Change The Way You Live
VastuGuruji.com
METAL DEVTA
METAL SPRINGS
METAL RODS
@VastuGuruji
मनचाहा रिजल्ट
30 DAYS MONEY BACK GUARANTEE
** Terms & Condition Apply
CALL 9770888888
RAJ BHAWAN RD, CIVIL LINES, RAIPUR, C.G.

पेन किलर ऑयल
तुरंत आराम पहुंचाए
मसल एवं ज्वाइंट पेन में असरदार
घुटनों के दर्द में विशेष लाभकारी
सभी आयुवर्ग के लिए उपयोगी, दर्द वाले स्थान पर तेल लगाकर हल्के हाथों से मसाज करें
Vastu Guruji
Pain Killer Oil
VASTU GURUJI
PAIN KILLER OIL
Fast Relief from all muscular & Joint Pain
RAJ BHAWAN ROAD, CIVIL LINES, RAIPUR (C.G.) 492001
Mob. : 9669000000, 9770290000

ekelite küche
MODULAR KICHAN,
WARDROBE & MUCH MORE
Opp. Colors Mall, Pachpedi Naka,
Lalpur Raipur Chhattisagarh
CONTACT- 9200001777
9538545000

M.M. ENTERPISES.
Sanitary & Bathware
Address:
pachpedi naka near colors mall ganesh eye hospital road
in front of FM marketing Raipur chhattisgarh pincode 492001.

भवन किराए
पर उपलब्ध है
लभांडी, मैग्नेटो मॉल के सामने स्थित बिल्डिंग राज टॉवर में 6800 वर्गफुट का हॉल - बैंक, कार्यालय एवं होटल उपयोग हेतु किराए पर उपलब्ध है।
संपर्क-9300892000

Vastu Guruji
नंदी बैल
नंदी बैल, भगवान शिव का विश्वसनीय वाहन, व्यवसाय को आपदा और नुकसान से सुरक्षित रखता है। इसे दक्षिण-पश्चिम क्षेत्र में और पश्चिमी दीवार पर शक्ति का प्रतीक रखते हुए स्थापित करें। यह दीर्घकालीन साझेदारी, ग्राहक विश्वास और व्यवसाय में स्थायित्व बढ़ाने में मदद करता है।
free home delivery
9770440000

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक - **करण सिंह होरा** द्वारा आसमां पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड. जयस्तंभ चौक रायपुर, जिला-रायपुर (छत्तीसगढ़) से मुद्रित कर लक्ष्मी निवास नल घर चौक, अहमद जी भाई कालोनी रायपुर, जिला रायपुर (छत्तीसगढ़) पिन-492001 से प्रकाशित. **संपादक- करन सिंह होरा** मो. - 9669000000 CHHBIL/2023/88684